News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-255
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

ज्ञान में किए गए निवेश से सबसे उत्तम लाभ प्राप्त होता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार 21 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मकान में लगी आग से खाक हो गया पूरा परिवार

देवास में पति-पत्नी और 2 बच्चों की मौत

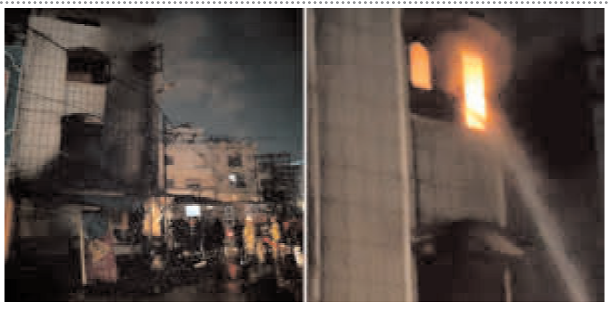

देवास जिले के नयापुरा में भयानक आग ने चार लोगों की जान ले ली। यह घटना अलसुबह हुई। घर के नीचे बनी डेयरी में लगी आग ऊपर की मंजिल तक पहुंच गई। इस आग में एक ही परिवार के चार सदस्य फंस गए। मृतकों में दिनेश कारपेंटर, उनकी पत्नी गायत्री, बेटी इशिका और बेटा चिराग शामिल हैं। परिवार बजेपुर का रहने वाला था और डेयरी चलाता था।

मौके पर पहुंचे एसपी खबर लिखे जाने तक दमकल ने आग पर काबू पा लिया है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। स्क्र पुनीत गेहलोद टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मकान के नीचे स्थित डेयरी में लगी आग तेजी से फैलकर दूसरी मंजिल तक पहुंच गई, जहां परिवार रहता था।

कारणों की जांच कर रही पुलिस दमकल की गाड़ियों ने आकर आग बुझाई, लेकिन तब तक चारों लोगों की मौत हो चुकी थी। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। घटना सुबह 4 बजे के आसपास हुई। पुलिस को गश्त पर तैनात एक जवान ने आग लगने की सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक परिवार दम घुटने से मर चुका था। पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण सिलेंडर ब्लास्ट बताया जा रहा है।

मौत की तीन वजह मौत के संभावित कारणों पर चर्चा करते हुए एसपी गहलोत ने तीन आशंकाएं जताईं। पहली आशंका सीधे आग से जलने की है। दूसरी आशंका दम घुटने की है, क्योंकि मृतकों के शरीर पूरी तरह से जले नहीं थे। तीसरी आशंका यह है कि नींद की वजह से परिवार को भागने का मौका नहीं मिला होगा।

भोपाल में आयकर विभाग के हाथ लगा खजाना
जंगल में मिला 52 किलो सोना

दस करोड़ नकद जब्त किए, बिल्डरों पर कार्रवाई जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले तीन दिन से प्रदेश की बिल्डरों के यहां जारी आयकर विभाग की जांच में विभाग के हाथ बड़ा खजाना लगा है। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात भोपाल के मेंडोरी गांव के जंगल में लावारिस खड़ी इनोवा कार से 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। यह राशि किसकी है, अब इसका पता लगाया जा रहा है। अब तक किसी ने इस राशि व सोने पर दावा नहीं किया है। सोना व नकदी होने की खुफिया सूचना के बाद आयकर की टीम मौके पर पहुंची थी। टीम ने लावारिस इनोवा क्रिस्टा को जब्त किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आशंका है कि पूर्व मुख्य सचिव के करीबी बिल्डर राजेश शर्मा या आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा में से किसी एक का यह माल हो सकता है। अब पुलिस और आयकर की टीम संयुक्त रूप से सोना और कैश किसका है इसका पता लगा रही है? संभव है कि आयकर विभाग की कार्रवाई से बचने के लिए ही यह माल वहां कार में छिपा कर रखा गया था। भोपाल में आईटी की टीम तीन दिन से बिल्डरों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। वहीं, गुरुवार को लोकायुक्त ने आरटीओ के पूर्व आरक्षक के घर और दफ्तर पर छापेमारी की थी। इन दोनों ही कार्रवाई का लिंक होने की बात भी अब कही जा रही है।

गाड़ी मालिक बोला कोई जानकारी नहीं इस सोने और कैश पर अभी तक किसी ने दावा नहीं किया है। हालांकि, जांच में यह खुलासा हुआ है कि कार चेतन गौर नाम के व्यक्ति की है। वह ग्वालियर का निवासी है। बताया जा रहा है कि लोकायुक्तकी छापमोरी में जिस पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का नाम आया था, चेतन उसी का दोस्त है। हालांकि, आईटी की टीम को चेतन ने सोना और कैश के बारे में कोई जानकारी नहीं होने की बात कही है। हालांकि, एजेंसी अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं इसका कनेक्शन बिल्डरों और आरटीओ के पूर्व कॉस्टेबल सौरभ शर्मा के यहां चल रही लोकायुक्त कार्रवाई से तो नहीं है।

कार के कांच तोड़कर बैग बाहर निकाले पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार देर रात मेंडोरी गांव के कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी की एक लावारिस इनोवा क्रिस्टा गाड़ी सूनसान जगह खड़ी है। गाड़ी लॉक है और उसमें छह से सात बैग रखे हैं। इसमें कैश होने के अंदेशा में आईटी की टीम को सूचित किया गया। इसके बाद कांच तोड़कर अंदर से बैग बाहर निकाले गए।

भोपाल- इंदौर में छापेमारी में मिले 300 से 400 करोड़ के कागजात आयकर विभाग की टीम पिछले तीन दिनों से भोपाल और इंदौर में 51 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी कर रही है। टीम ने 18 दिसंबर को त्रिशूल कंस्ट्रक्शन, क्वालिटी ग्रुप और ईशान ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि त्रिशुल कंस्ट्रक्शन के राजेश शर्मा समेत अन्य ग्रुप के कर्ताधर्ता प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव और कुछ आईएएस अधिकारियों के करीबी हैं। इन बिल्डर के पास से भी 10 करोड़ नगदी जब्त किए गए और कई लॉकर मिल चुके हैं। बिल्डरों के यहां छापों में 300 से 400 करोड़ रुपये की संपत्ति के कागज मिलने की बात कही जा रही है। वहीं, अब जांच महेंद्र गोयनका तक पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि राजेश शर्मा ने गोयनका का करोड़ों रुपये निवेश कराया है।

संसद धक्का मुक्की कांड की जांच क्राइम ब्रांच करेगी

नई दिल्ली। संसद परिसर में गुरुवार को हुए हंगामे और धक्कामुक्की कांड को लेकर बीजेपी और कांग्रेस की शिकायत की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई है। बीजेपी की शिकायत में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बीजेपी का आरोप है कि राहुल गांधी ने बीजेपी सांसदों को धक्का दिया और 2 सांसद जख्मी हो गए। वहीं, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बीजेपी के सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष को धक्का दिया। कांग्रेस के सांसदों पर हमला किया गया। अब मामला पुलिस थाने तक पहुंच चुका हैं। दोनों तरफ से एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संसद परिसर में धक्का मुक्की कांड को लेकर दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ हत्या की कोशिश से लेकर भारतीय न्याय संहिता की 6 अन्य गंभीर धाराओं में शिकायत दी थी। भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 117 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना), 125 (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का कृत्य), 131 (आपराधिक बल का प्रयोग), 351 (आपराधिक धमकी) और 3(5) (सामान्य इरादा) के तहत गुरुवार को संसद मार्ग थाने में मामला दर्ज किया गया था। भाजपा की ओर से शिकायत दर्ज कराए जाने के कुछ घंटों बाद ही राहुल गांधी पर मामला दर्ज किया गया था। संसद परिसर में हाथापाई के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस दो घायल सांसदों के बयान दर्ज कर सकती है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को पूछताछ के लिए भी बुला सकती है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जरूरत पड़ी तो दिल्ली पुलिस संसद सचिवालय को पत्र लिखकर घटना वाले एरिया के सीसीटीवी फुटेज की मांग कर सकती है। मामले को स्थानीय पुलिस से क्राइम ब्रांच को सौंपने पर भी विचार किया जा सकता है।

रूस पर हुआ 9/11 जैसा घातक हमला

कजान में कई इमारतों से टकराए यूक्रेनी ड्रोन

मॉस्को: रूस पर 9/11 जैसे घातक हमले की सूचना सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि यूक्रेनी ड्रोन रूस में कई आवासीय इमारतों को टक्कर मारी है। यह हमला रूस के कजान में किया गया। इससे इमारतों के परखच्चे उड़ गए और भीषण आग लग गई। मौतों और अन्य नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। मौके पर राहत और बचाव दल पहुंच गए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार कई विस्फोटकों से भरे यूएवी ने कज़ान की हाईराइज इमारतों को टारगेट किया। इसके बाद उन इमारतों में भीषण आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार यह घटना शनिवार सुबह हुई, जिसमें कज़ान शहर में तीन कामिकेज़ ड्रोनों ने कई आवासीय ऊंची इमारतों पर हमला किया। कई मीडिया समूहों ने इस हमले का प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा शूट किए गए वीडियो क्लिप प्रकाशित किए हैं, जो हमले के क्षण और उसके परिणामों की भयावहता को दर्शा रहे हैं।

प्रभावितों को इमारत से निकाला जा रहा अभी तक इस घटना में किसी की मौत होने की सूचना नहीं है। मगर स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि घटना स्थल पर आपातकालीन सेवाएं भेज दी गई हैं। टेलीग्राम चैनलों का दावा है कि प्रभावित इमारतों से निवासियों को निकाला जा रहा है। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा था कि उसके हवाई सुरक्षा बलों ने तातारस्तान गणराज्य की राजधानी कजान शहर के ऊपर एक यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहन को मार गिराया है।

यूक्रेन से करीब 1400 किलोमीटर दूर है कजान शहर रूस के जिस कजान शहर पर यूक्रेन ने ड्रोनों से हमला किया है, वह कीव से करीब 1400 किलोमीटर की दूरी पर है। बता दें कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के सैन्य अभियान की शुरुआत के बाद से कीव के ड्रोन को मॉस्को और अन्य रूसी क्षेत्रों में हवा में ही हमले से रोका गया है। इनमें से केवल कुछ यूएवी ही अपने लक्ष्य तक पहुंच पाए हैं। ऐसे अधिकतर मामले दोनों देशों की सीमा के नजदीक ही घटित हुए हैं। मगर यह पहली बार है, जब यूक्रेन से लगभग 1,379 किलोमीटर (857 मील) दूर स्थित रूस के कजान शहर पर इस तरह का हमला किया गया है। इससे कुछ दिनों पहले रूस के वरिष्ठ परमाणु चीफ की भी एक बम ब्लास्ट में हत्या कर दी गई थी। यूक्रेन ने इस हत्या का जिम्मा लिया था।

फ्यूल टैंकर में ब्लास्ट...
दर्जनभर लोग जिंदा जले

जयपुर। जयपुर के भांकरोटा इलाके में शुक्रवार सुबह एक भयानक सड़क हादसा हुआ। यह घटना तब हुई जब एक सीएनजी टैंकर और दूसरे टैंकर की टक्कर हो गई। यह हादसा दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने स्थित पेट्रोल पंप के पास हुआ, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। हादसे के बाद सड़क पर तबाही का मंजर छा गया। टक्कर के कारण आग लग गई, जिसमें करीब 30 वाहन जलकर खाक हो गए। घटना इतनी भयावह थी कि कई गाड़ियों का अस्तित्व तक खत्म हो गया। प्रशासन ने अब तक 8 मौतों की पुष्टि की है। हालांकि, स्थानीय सूत्रों के अनुसार मृतकों की संख्या 15 से अधिक हो सकती है। इस आंकड़े के और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। सीएनजी टैंकर अजमेर से जयपुर की ओर आ रहा था। टैंकर ने यू-टर्न लेने की कोशिश की, तभी जयपुर से आ रहे दूसरे टैंकर ने उसे टक्कर मार दी। दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि आग भड़क उठी। टक्कर के बाद लगी आग ने कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। सड़क के किनारे खड़े कई वाहन पूरी तरह जल गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई, और लोग दहशत में इधर-उधर भागते नजर आए। घटना के तुरंत बाद प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे। आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

जलते हुए भागने लगे लोग प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगते ही लोग गाड़ियों से उतरकर इधर-उधर भागे। कई लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और वे जिंदा जल गए। जो लोग किसी तरह बाहर निकल पाए, वे जलते हुए कपड़ों के साथ सड़क पर इधर-उधर भागने लगे। एक्सीडेंट की वजह से बस का दरवाजा एक ट्रक से चिपक गया। इस कारण उसमें सवार 34 लोगों को बाहर निकलने की जगह ही नहीं मिली। बड़ी मुश्किल से ड्राइवर वाले गेट से लोगों को बाहर निकाला गया। इस बस में सवार 19 से ज्यादा लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आग बुझने के बाद कई शवों को पोटली में डालकर अस्पताल ले जाया गया। एक्सीडेंट के बाद हाईवे पर जली हुई गाड़ियां खड़ी हुई थीं। इस वजह से हाईवे पर आवाजाही बंद हो गई। धमाके के बाद इलाके में गैस फैलने से रेस्क्यू में काफी परेशानी आई।दोपहर तक दमकलें जली हुई गाड़ियों और आसपास के इलाकों में लगी आग बुझाती रहीं। वहीं एहतियातन दिनभर पूरे इलाके में बिजली सप्लाई भी बंद रखी गई।

विधानसभा में टूटी परंपरा, बिना राष्ट्रगान के ही शीतकालीन सत्र स्थगित

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन संसद की घटना को लेकर जमकर हंगामा हुआ। ध्यानाकर्षण के बाद कांग्रेस विधायकों ने संसद में हुई घटना का मुद्दा उठाते हुए सदन में नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद सत्ता पक्ष के विधायक भी आसंदी के पास पहुंच गए। हंगामा बढ़ता देख सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के चलते बिना राष्ट्रगान के ही सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। संभवत- यह पहला मौका है जब बिना राष्ट्रगान के कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया हो। संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब अंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस ने विधानसभा में जमकर हंगामा किया। कांग्रेस विधायक संविधान की कॉपी लेकर विधानसभा पहुंचे और गांधी प्रतिमा के सामने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीजेपी नेता संसद को बदलना चाहते हैं। वे बाबा साहब का अपमान करते हैं, विपक्ष की आवाज को दबाना चाहते हैं।

राज्यसभा में केवल 40.03 फीसदी और लोकसभा में 57.87 फीसदी काम हुआ

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। संसद सत्र की शुरुआत ही हंगामे के साथ हुई थी। पहले अडानी मामला, फिर जॉर्ज सोरोस और इसके बाद अंबेडकर मुद्दे पर हंगामा हुआ। इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ा। इस सत्र में राज्यसभा में केवल 40.03 फीसदी ही काम हुआ। जबकि लोकसभा का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा है लोकसभा में भी महज 57.87 फीसदी काम हुआ। राज्यसभा में शुक्रवार को एक देश एक चुनाव विधेयक के लिए बन रही जेपीसी में राज्यसभा के 12 सांसदों को नामित किया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। समापन भाषण में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस सत्र में 40.03 फीसदी ही काम हुआ। पूरे सत्र में 43 घंटा 27 मिनट काम हो सका। उन्होंने कहा कि सांसद के तौर पर देश के लोग हमारी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। यह सही भी है क्योंकि लगातार हो रहे व्यवधान लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता के विश्वास को लगातार कम कर रहे हैं।

एक देश एक चुनाव विधेयक जेपीसी को भेजा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर हो रहे हंगामे के बीच लोकसभा से शुक्रवार को एक देश एक चुनाव से जुड़े दो विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया। सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2024 को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पेश करने को कहा। हंगामे के बीच प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके बाद लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

जेपीसी सदस्यों को नामित करने का प्रस्ताव पास सुबह जब राज्यसभा में कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष ने प्रदर्शन किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद सभापति ने सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बिना किसी हंगामे के सदन चलाने के लिए कहा। जब सदन की कार्यवाही 12 बजे फिर से शुरू हुई तो सभापति ने विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से एक देश एक चुनाव विधेयक को लेकर बन रही जेपीसी के लिए उच्च सदन से सदस्यों को नामित करने का प्रस्ताव रखने के लिए कहा। जेपीसी के लिए 12 सदस्यों को नामित करने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

बिजली कंपनी के डीजीएम 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जबलपुर। जबलपुर में लोकायुक्त पुलिस ने बिजली कंपनी के डीजीएम और उसके सहयोगी को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा। डीजीएम ने कंपनी का लाइसेंस रिन्यू करने के लिए रिश्वत मांगी थी। डीजीएम ने नागपुर की एक निजी सोलर पैनल कंपनी का लाइसेंस रिन्य करवाने के लिए रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने लोकायुक्त एसपी से इसकी लिखित शिकायत की थी। इसके बाद शुक्रवार शाम को यह कार्रवाई की गई। जीएम का नाम हिमांशु अग्रवाल है। वे बिजली कंपनियों के मुख्यालय शक्ति भवन में सोलर एनर्जी विभाग में पदस्थ हैं। उनके सहयोगी हिमांशु यादव को भी लोकायुक्त ने गिरफ्तार किया है। जबलपुर के आधारताल निवासी विष्णु लोधी नागपुर की एक कंपनी में जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने करीब 12 दिन पहले जबलपुर के सोलर एनर्जी विभाग में ऑनलाइन फॉर्म भरकर आवेदन किया था। इसके बाद फाइल स्वत- ही एडीजीएम और डीजीएम के पास पहुंच जाती है

सीएम मोहन यादव बोले- मोदी सरकार अंगद के पांव के समान मजबूत

सिटी चीफ भोपाल। इंदौर। इंदौर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजराना गणेश मंदिर में भक्त निवास और अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। यह परियोजनाएं करीब 1,000 करोड़ रुपये की लागत से शहर में संचालित होंगी। कार्यक्रम का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी कॉलेज में किया गया, जहां मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने अंबेडकर के 5 प्रमुख तीर्थ स्थलों का निर्माण कराया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासनकाल में महू जैसे महत्वपूर्ण स्थानों के विकास के लिए कुछ भी नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने नागपुर, मुंबई और इंग्लैंड तक में अंबेडकर से जुड़े स्थलों का संरक्षण और विकास किया है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की स्थिरता की बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को 'अंगद के पांव' के समान अटल बताया। उन्होंने विपक्ष, विशेष रूप से राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी, पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी सरकार को गिराने के सभी प्रयास असफल होंगे क्योंकि जनता के बीच उनकी लोकप्रियता सर्वोपरि है। राहुल बाबा, तुम भी आ जाओ, तुम्हारी बहन भी आ जाओ, तुम्हारी मम्मी भी आ जाओ। मोदी जी की सरकार पर कोई आंच आने वाली नहीं है।

अंबेडकर को सम्मान देने का काम हमारी सरकार ने किया

सीएम ने कहा कि अंबेडकर जी के 5-5 तीर्थ बनाने का काम हमारी सरकार ने किया। उन्हें सम्मान देने का काम हमारी सरकार ने किया। लेकिन, कांग्रेस के शासन में महू में कुछ नहीं हुआ। हमारी सरकार ने नागपुर, बंबई में भी काम किया। इंग्लैंड में जिस स्थान पर अंबेडकर जी दो साल तक रहकर अध्ययन करते रहे, उस स्थान को भी खरीदकर तीर्थ बनाया। इंग्लैंड से भी लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा- गरीब, मजदूर, आदिवासी और समाज के सभी वर्गों को आगे लाने और संविधान में उन्होंने जो योगदान दिया, ऐसे अंबेडकर जी का हम अपमान कर सकते हैं क्या? लेकिन, कांग्रेस की सरकार क्या गई। रोज नए-नए षड्यंत्र करती है। जनता सब जानती है।

इंदौर में कराएंगे आईटी समिट

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इंदौर ग्लोबल सिटी हो गई है। आईटी के लिए हैदराबाद जैसे शहरों के नाम चलते थे। लेकिन, आज इंदौर भी किसी से कम नहीं है। यहां आईटी समिट करेंगे। इंदौर हर मोड़ पर बेहतर है, इसकी किसी से तुलना नहीं हो सकती है। पूरे प्रदेश में जन कल्याणकारी कार्यों को लेकर आगे बढ़ेंगे। हमारा जनकल्याण अभियान 11 दिसंबर से 26 जनवरी तक चलेगा। घर-घर जाकर योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। एक-एक आदमी को ढूंढ-ढूंढ कर उन तक लाभ पहुंचाएंगे।

सभी वर्गों के उत्थान की बात भी दोहराई

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गरीबों, मजदूरों, और समाज के सभी वर्गों के उत्थान की बात भी दोहराई। उन्होंने यह भी कहा कि जनता सबसे बड़ा न्यायाधीश है और उनकी सरकार का प्रदर्शन ऐसा है कि उसे जनता का समर्थन मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की शुक्रवार को इंदौर यात्रा के दौरान उनका हेलिकॉप्टर एमआर 12 सड़क पर उतरा, जो शहर के लिए एक अनोखी घटना थी। यह सड़क 9.5 किलोमीटर लंबी और 60 मीटर चौड़ी है, जिसकी निर्माण लागत 185 करोड़ रुपये है। यह घटनाक्रम लव-कुश चौराहे से बायपास तक हुआ, जहां से मुख्यमंत्री ने अपने अटल बिहारी वाजपेयी कॉलेज वाले कार्यक्रमों के लिए प्रस्थान किया।

आगर-नीमच सौर परियोजना का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव शुक्रवार को सुसनेर के ग्राम पालड़ा पहुंचे। यहां उन्होंने 880 मेगावाट आगर-नीमच सौर परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस परियोजना में आगर-मालवा जिले की 550 मेगावाट क्षमता और नीमच जिले की 330 मेगावाट क्षमता सौर परियोजना शामिल है। सीएम ने 42.32 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। साथ ही 6.49 करोड़ लागत के विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन भी किया। उन्होंने मंच से झालावाड़-उज्जैन रेल लाइन को लेकर कहा कि जल्द ही रेलवे लाइन की सौगात मिलने वाली है। इसे नलखेड़ा मां बगलामुखी तक जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को सरकार की तरफ से सोलर पंप देने की बात भी कही और बताया कि पहले 1 लाख किसानों को यह पंप दिए जाएंगे।

आंदोलन का तीसरा दिन...

अब आमरण अनशन पर बैठे एमपीपीएससी के अभ्यर्थी

सिटी चीफ भोपाल। इंदौर। एमपीपीएससी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी है। 18 दिसंबर बुधवार को शुरू हुआ आंदोलन अब प्रदेश स्तर पर बढ़ने लगा है। इंदौर के आसपास के छात्र भी आंदोलन में शामिल होने के लिए आने लगे हैं। बुधवार सुबह 10 बजे डीडी पार्क से नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के बैनर तले अभ्यर्थियों ने एमपीपीएससी न्याय यात्रा निकाली थी। हजारों अभ्यर्थी इसमें शामिल हुए थे। गुरुवार रात भी छात्र मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के दफ्तर के बाहर कड़ाके की ठंड में बैठे रहे। इससे पहले गुरुवार को दिन में पुलिस प्रदर्शनकारियों का माइक और स्पीकर भी छीन कर ले गई थी। शाम को यूनियन के सदस्य और अभ्यर्थी आयोग के अधिकारियों से भी मिले, लेकिन मांगों को लेकर कोई निराकरण नहीं होने पर अरविंद और राधे जाट आमरण अनशन पर बैठ गए। इसके लिए यूनियन के नेशनल कमेटी मेंबर और अनशन पर बैठे राधे जाट ने एक वीडियो जारी कर लोक सेवा आयोग को चूड़ी भेंट करने की अपील की। इसमें प्रदर्शन में शामिल होने आ रहे प्रदेश के समस्त अभ्यर्थियों और स्टूडेंट्स को अपने साथ चूडियां लेकर आने के लिए कहा गया।

बता दें कि विभिन्न मांगों को लेकर एमपीपीएसी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन 36 घंटे से भी ज्यादा समय से जारी है। बुधवार सुबह 10 बजे डीडी पार्क से नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के बैनर तले अभ्यर्थियों ने एमपीपीएससी न्याय यात्रा निकाली थी। हजारों अभ्यर्थी इसमें शामिल हुए थे। यात्रा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के दफ्तर के बाहर खत्म हुई थी। अपनी मांगों को लेकर अभ्यर्थी आयोग के अधिकारियों से चर्चा कर अपनी मांगें मनवाना चाहते थे। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अभ्यर्थी आयोग के दफ्तर के बाहर ही धरने पर बैठ गए थे। बुधवार की रातभर भी अभ्यर्थी दफ्तर के बाहर बैठे रहे। गुरुवार को दिनभर भी अभ्यर्थियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा। इधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी धरना प्रदर्शन में अभ्यर्थियों से मिलने पहुंचे। यहां उन्होंने अभ्यर्थियों से चर्चा की और मोहन सरकार को भी घेरा। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन की राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य राधे जाट ने बताया कि धरना प्रदर्शन में कई छात्राएं भी शामिल है। मगर प्रशासन ने यहां ना तो पीने के पानी की व्यवस्था की है और ना ही टॉयलेट की।

एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों के हित की इस लड़ाई में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) ने अपना पूर्ण समर्थन दिया है। शुक्रवार को जयस के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजी. लोकेश मुजाल्दा और जयस छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल बघेल अपनी टीम के साथ आंदोलन स्थल पर पहुंचे और छात्रों को अपना समर्थन दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकेश मुजाल्दा ने कहा कि जयस और जयस छात्र संगठन हमेशा छात्रों के हित में खड़ा रहा है। यह बेहद चिंताजनक है कि मध्यप्रदेश का भविष्य अपने अधिकारों के लिए सड़क पर बैठकर संघर्ष करने को मजबूर है। आयोग को छात्रों की मांगों को तुरंत स्वीकार करना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

एमआर-4 सड़क से पहुंच सकेंगे तीन रेलवे स्टेशन और दो बस स्टैंड तक

सिटी चीफ भोपाल। इंदौर। पिछले सिंहस्थ के समय बनी आधी एमआर-4 सड़क को तीन साल बाद लगने वाले सिंहस्थ मेले से पहले पूरा किया जाएगा। यह सड़क लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से कुमेंड़ी पर बने नए बस स्टेशन तक बनेगी। इसके बाद यह सड़क दो बस स्टैंड और मुख्य रेलवे स्टेशन, लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन और पार्क रोड रेलवे स्टेशन तक जुड़ेगी। जिन 23 सड़कों का निर्माण नगर निगम कर रहा है। उसमें इसका निर्माण प्राथमिकता से किया जाएगा।

आठ किलोमीटर लंबी इस सड़क के चार किलोमीटर हिस्से का काम होना है। दस साल पहले यह सड़क इंदौर विकास प्राधिकरण ने बनाई थी,लेकिन अब इसके निर्माण का जिम्मा नगर निगम को सौंपा गया है। यह सड़क फोरलेन बनेगी और इसके निर्माण के बाद विजय नगर, परदेशीपुरा, सुखलिया ग्राम व श्रमिक क्षेत्र का ट्रैफिक डायवर्ट होगा।

वाहन एमआर-10 से सीधे मालवा मिल, रीगल प्रतिमा, भागीरथपुरा की तरफ जा सकेंगे। यह सड़क नाले के किनारे बनेगी। पिछली बार इस सड़क के निर्माण के लिए सिंहस्थ मद से 30 करोड़ रुपये इंदौर विकास प्राधिकरण को मिले थे, लेकिन बाधक हिस्से नहीं हट पाने के कारण दो लेन सड़क ही बन पाई थी। इस सड़क के लिए रेल विभाग ने भी प्राधिकरण को जमीन दी थी।

इस सड़क में सबसे बड़ी बाधा भागीरथपुरा बस्ती है। यहां करीब 200 से ज्यादा निर्माण बाधक है। सड़क की जद में आ रहे निमार्णों को नोटिस दिया गया है, लेकिन अभी तक लोगों ने स्वेच्छा से निर्माण नहीं हटाए है। जल्दी ही उन्हें हटाया जाएगा। दो माह के भीतर सड़क के निर्माण का लक्ष्य रखा है।

अरशद ने हरीश बनकर शादी के लिए धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

सिटी चीफ भोपाल। इंदौर। एक युवती के साथ दुष्कर्म करने और शादी का झांसा देकर शोषण करने का मामला सामने आया है। आरोपी का नाम अरशद है, लेकिन वह हरीश बनकर युवती से मिलता रहा। अरशद युवती के साथ मंदिरों में जाकर दर्शन भी करता था। वह गणेश विसर्जन और दुर्गा विसर्जन के समय भी युवती के साथ जाता था, ताकि उसे पता न चले कि वह दूसरे धर्म का है। युवती चंदन नगर क्षेत्र की रहने वाली है और आरोपी भी उसी इलाके में रहता है। आरोपी ने युवती के साथ कई बार संबंध बनाए। जब युवती ने शादी के लिए दबाव डाला तो उसने कहा कि पहले धर्म परिवर्तन करना होगा। हकीकत पता चलने के बाद युवती नाराज हो गई तो आरोपी उसे धमकाने लगा। इसके बाद युवती ने थाने में जाकर शिकायत की। युवती को आरोपी के पिता, भाई और तीन महिलाओं ने भी धमकाया। वे युवती पर धर्म परिवर्तन कर शादी का दबाव बना रहे थे। पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवती को जब पता चला कि हरीश का असली नाम अरशद है तो वह हकीकत जानने के लिए उसके घर पहुंची। घर पर अरशद का भाई साबिर था। युवती ने विवाद किया तो साबिर उसे चाकू दिखाकर कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती अपने घर पहुंची और गुमसुम रहने लगी। उसने मां को इस बारे में नहीं बताया। बाद में युवती हिंदू संगठन से जुड़े पदाधिकारियों के संपर्क में आई और थाने जाकर शिकायत की। पुलिस अब आरोपियों की तलाश कर रही है।

व्यापारी से ऑनलाइन ठगी, दिल्ली से कॉल कर रुपए ट्रांसफर कराए

सिटी चीफ भोपाल। इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने लाखों रुपए की ठगी के मामले में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों ने इंदौर के बिजनेसमैन को दिल्ली से कॉल कर कई अकाउंट में रुपए ट्रांसफर कराए है। जिन अकाउंट में रुपए ट्रांसफर हुए है उन लोगों को पकड़ने के लिए कई टीमें प्रदेश के बाहर गई हैं। सुशील कुमार श्रीवास्तव ने 47 लाख 70 हजार की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अनुसार उन्होंने एचडीएफसी का एक्सीडेंटल प्लान लिया था। जिसकी वैल्यू 15 लाख थी। जनवरी 2024 से प्रीमियम नही भरा। पॉलिसी में जमा रुपए लेने के लिए उन्होंने एक वेबसाइट में संपर्क किया, जहां से एक टोल फ्री नंबर दिया गया। फरियादी ने दिए गए नंबर पर संपर्क कर पॉलिसी में जमा रुपए वापस देने की बात कही। लेकिन तब जानकारी नहीं मिली।

30 सितंबर को आया पहला कॉल

सुशील के पास 30 सितंबर को अनजान नंबर से कॉल आया। कॉलर ने अपना नाम विनीत शुक्ला बताया। पॉलिसी पर कोई क्लेम नहीं लेने की बात कही। बीमा कंपनी से एनओसी लेने के लिए भी कहा। तब सुशील ने लोकपाल में शिकायत दर्ज कराने और मामले में जल्द निपटान करने के लिए कहा।इस दौरान ठगों द्वारा सुशील कुमार को बताया गया कि आपका अमाउंट लोकपाल के अधिकृत अकाउंट से ट्रांसफर किया जाएगा। जिसमें कार्रवाई के बाद बीमा कंपनी हमें पे करेगी। इस दौरान फरियादी ने वरिष्ठ अफसरों को शिकायत भेजने की बात कही।

बैंक का जोनल मैनेजर बन एनओसी देने को कहा

1 अक्टूबर को ठग ने खुद को बैंक का जोनल मैनेजर डीएस मल्होत्रा बताते हुए सुशील को कॉल किया। ठगों द्वारा कहा कि आपने सीधे लोकपाल में शिकायत कर दी। आपको पहले बीमा कंपनी में बात करना चाहिए थी। अब 44 हजार रुपए ही वापस किए जाएंगे। इस दौरान एक कोड हटाने के लिए कुछ रुपए अकाउंट में मांगे गए। जिसका भुगतान फरियादी ने किसी नितिन सागर नाम व्यक्ति के कोटक बैंक अकाउंट में किया।

4 दिन बाद अकाउंट वैरिफिकेशन के नाम पर फिर ठगा

इसके बाद 5 अक्टूबर को किसी रहेजा नाम के व्यक्ति ने फरियादी से संपर्क कर बताया कि 10 लाख से ज्यादा का पेमेंट अकाउंट में किया जाना है। इस लिए दूसरा अकाउंट देना होगा। तब सुशील ने एचडीएफसी का अकाउंट नंबर दिया। इसके बाद दोनों बैक अकाउंट के वैरिफिकेशन की बात कही गई।जिसमें बैक पॉलिसी के हिसाब से दोनों अकाउंट में करीब ढाई लाख का पेमेंट मांगा गया। यह अमाउंट बबलू पटेल नाम के व्यक्ति के अकाउंट में डलवाए गए। 8 अक्टूबर को रहेजा ने कॉल कर बताया कि उन्होंने जो पेमेंट डाला वह नही मिला। साथ ही 3 लाख 49 हजार का पेमेंट दोबारा डालने की बात कही। जो मनोज बाबू के नाम से था। तब सुशील के तरफ से यह अमाउंट भेजा गया।

बजरंग दल की शौर्य संचालन सभा में ज्वॉइन बजरंग दल अभियान हुआ शुरू

सिटी चीफ भोपाल। इदौर। बजरंग दल की शौर्य संचालन सभा में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव ने बजरंग दल के 50 हजार से अधिक नए कार्यकर्ताओं का ज्वॉइन बजरंग दल अभियान प्रारंभ किया । बजरंग दल के प्रवीण दरेकर एवं गन्नी चौकसे ने बताया कि शहर के अनेक हिस्सों में युवा बजरंग दल से जुड़ने के लिए संपर्क कर रहे हैं। वे देश-धर्म-संस्कृति की रक्षा हेतु अपना सक्रिय योगदान देना चाहते हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर ज्वॉइन बजरंग दल अभियान का शुभारंभ विहिप प्रांत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव की उपस्थिति में रेडिसन स्क्वेयर पर शौर्य संचालन सभा में किया गया। शौर्य संचालन सभा को संबोधित करते हुए भार्गव ने कहा कि युवा पीढ़ी को कमजोर करने और नशे में डुबाने वालों को अब सावधान हो जाना चाहिए, क्योंकि अब उनके सामने बजरंग दल मैदान में है। अपने-अपने मकान, अपनी-अपनी दुकान, अपनी पढ़ाई के साथ हिंदुत्व और देश के लिए कमर कस लीजिए। जैसे ही आप कमर कसेंगे सारी दुनिया हिंदुत्व के झंडे के नीचे आ जाएगी। इस अवसर पर पिंकी खंडेलवाल , प्रवीण दरेकर, संतोष वर्मा, लक्की रघुवंशी, विकास गुप्ता, राजेश गौड़, अभिलाष कौशल, तन्नू शर्मा, कृष्ण वर्मा के साथ बड़ी संख्या में बजरंग दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा पार्षद जुआ खेलते पकड़े गए, 2 लाख 54 हजार रुपए जब्त

सिटी चीफ भोपाल। इंदौर। खजराना इलाके के वार्ड-40 के भाजपा पार्षद पुष्पेन्द्र पाटीदार और उनके साथियों को पुलिस ने जुआं खेलते पकड़ा है। इंदौर की कनाड़िया पुलिस ने गुरुवार देर रात यह कार्रवाई की। पुलिस देर रात सभी को थाने लाई और जुआं एक्ट में कार्रवाई करने के बाद सभी को जमानत दे दी। भाजपा पार्षद पुष्पेन्द्र पाटीदार को कार्रवाई से बचाने के लिए भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने रात में पुलिस अधिकारियों को फोन किए। हालांकि अधिकारियों ने दबाव में न आते हुए कार्रवाई की और पुष्पेन्द्र को आरोपी बनाया। जानकारी के मुताबिक बरसाना गार्डन बायपास रोड से पुलिस ने रात में 5 लोगों को जुआं खेलते हुए पकड़ा। इनमें भाजपा नेता पुष्पेन्द्र कैलाश चंद्र पाटीदार, निवासी खजराना, प्रदीप यशोदा नंद गुप्ता, निवासी गणेशपुरी, दीपक गोकुलदास मोहनवाने, निवासी अनुराग नगर, भरत केदारमल अग्रवाल, निवासी शालीमार टाउनशिप तिलक नगर और धीरज प्रकाश जैन, निवासी खजराना शामिल हैं। आरोपियों के पास से करीब 2 लाख 54 हजार रुपए जब्त किए गए। जानकारी के मुताबिक बरसाना गार्डन बायपास रोड से पुलिस ने रात में 5 लोगों को जुआं खेलते हुए पकड़ा।

एक महीने के निचले स्तर पर और चांदी अपने तीन महीने के निचले स्तर पर

सिटी चीफ भोपाल। इंदौर। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अपनी मीटिंग में ब्याज दर यथावत रखी, लेकिन फेड के अगले दो वर्षों के ब्याज दर कटौती में ठहराव के अनुमान पर बाजार में गिरावट जारी रही। सोना अपने एक महीने के निचले स्तर पर और चांदी अपने तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई। मलमास चालू रहने से घटी दरों में भी भारतीय बाजारों में सोने में ग्राहकों का अभाव देखा जा रहा। वहीं, चांदी में अच्छी पूछ परख देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 2606 डॉलर प्रति औंस ऊपर में 2607 डॉलर और नीचे में 2589 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। वहीं, चांदी 2897 सेंट ऊपर में 2911 सेंट नीचे में 2885 सेंट पर कारोबार

करता देखा गया। इंदौर के बंद भाव इस प्रकार रहे- सोना केडबरी रवा नकद में 77650 सोना (आरटीजीएस) 77550 सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 71000 रुपए प्रति दस ग्राम पर बोला गया। गुरुवार को सोना 78000 पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 87400 (आरटीजीएस) 87250 चांदी टंच 87500 रुपए प्रति किलो और चांदी सिक्का नकद 1040 रुपए प्रति नग बिका। गुरुवार को चांदी चौरसा नकद 88800 रुपए पर बंद हुई थी।

कैग की रिपोर्ट में खुलासा... मप्र मे ग्रामीण सड़कों के निर्माण में हुआ घोटाला

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। मध्यप्रदेश में ग्रामीण सड़कों के निर्माण में बड़ा घोटाला सामने आया है। कैग की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में भारी अनियमितताएं और धोखाधड़ी हुई है। अप्रैल 2017 से मार्च 2021 तक के ऑडिट में बिटुमेन की खरीद में फर्जीवाड़ा, योजना बनाने में खामियां और ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने जैसे कई मामले उजागर हुए हैं। इससे सरकार को 414.9 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कैग ने दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने की सिफारिश की है। कैग की रिपोर्ट में एमपी ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एमपीआरआरडीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। पीएमजीएसवाई के तहत 11,936 किलोमीटर लंबी 1,190 सड़कें बनाई जानी थीं। लेकिन एमपीआरआरडीए सिर्फ 5,109 किलोमीटर की 666 सड़कें ही बना पाया। यह कुल काम का सिर्फ 56% है। इस पर 2,776.31 करोड़ रुपये खर्च हुए। इससे ग्रामीण कनेक्टिविटी पर असर पड़ा है।

बिटुमेन खरीद में धोखाधड़ी
रिपोर्ट में बिटुमेन खरीद में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। सरकारी रिफाइनरी से बिटुमेन खरीदने के नाम पर फर्जी बिल और दोहरे भुगतान किए गए। बिना मंजूरी वाली निजी रिफाइनरी से भी बिटुमेन खरीदा गया। सरकारी नियमों को ताक पर रख दिया गया। 75 में से 71 प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट्स और 51 में से 49 जिलों में यह गड़बड़ी पाई गई। इससे 414.9 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह भ्रष्टाचार और लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण है।

नियमों का किया गया उल्लंघन
एमपीआरआरडीए के अधिकारियों ने पीएमजीएसवाई के नियमों का उल्लंघन किया। फेज-कक की योजना बनाते समय जनप्रतिनिधियों की राय नहीं ली गई। उनकी भूमिका को नजरअंदाज कर दिया गया। योग्य सड़कों को छोड़कर, अपात्र सड़कों का चयन किया गया। इससे 56,706 लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल पाया।

ठीक से नहीं किया गया सर्वे
कंसल्टेंट्स को डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट यानि डीपीआरएस बनाने के लिए 7.1 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। लेकिन डीपीआरएस और वास्तविक काम में अंतर पाया गया। सर्वे ठीक से नहीं किया गया,डीपीआर देर से जमा किए गए, और मिट्टी की जांच भी अधूरी थी।

ठेकेदारों पर नहीं लगाया जुर्माना
डीपीआर कंसल्टेंट्स के लिए ई-टेंडरिंग नहीं कराई गई। इसकी बजाय सामान्य टेंडर का सहारा लिया गया। इससे फेज-2 में लागत 39% से 58% तक बढ़ गई। जबकि फेज-3 में ई-टेंडरिंग के जरिए कम दरों पर काम हुआ। लगभग 49% काम 17 से 887 दिन की देरी से पूरा हुआ। फिर भी, एमपीआरआरडीए ने ठेकेदारों पर जुर्माना नहीं लगाया। कई पूरी हुई सड़कों पर स्पीड ब्रेकर और रोड साइन जैसे जरूरी सुरक्षा उपाय नहीं थे। रिपोर्ट में वित्तीय गड़बड़ियों का भी जिक्र है। फंड जारी करने में देरी से 4.2 करोड़ रुपये का ब्याज देना पड़ा। खराब फंड मैनेजमेंट से 11.7 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। 2000 से 350.8 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में जमा हैं, जिनका मिलान नहीं हुआ है।

सख्त कार्रवाई की मांग
कैग ने मध्य प्रदेश सरकार से इन अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। बिटुमेन खरीद में धोखाधड़ी की जांच और ठेकेदारों व अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है। वहीं ऐसी धोखाधड़ी रोकने और पीएमजीएसवाई के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी तंत्र बनाने की सलाह दी गई है।

जन विश्वास विधेयकः मप्र में विकास और सुशासन के नए अध्याय की शुरुआत

छोटी गलतियां अब अपराध नहीं...

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में जन विश्वास विधेयक पास किया गया है। यह मध्य प्रदेश के लिए ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक से आम जनता और उद्यमियों के लिए जीवन और व्यवसाय को आसान बनाना है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि न्याय की प्रक्रिया इतनी सरल हो कि आम नागरिक और व्यापारी बिना किसी परेशानी के अपने काम कर सकें। इस विधेयक से शासन की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। साथ ही मध्यप्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसरों में भी तेजी से बढ़ोतरी होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इस विधेयक के जरिए राज्य में विकास और सुशासन के नए अध्याय की शुरुआत होगी।

केंद्र सरकार के जन विश्वास अधिनियम, 2023 से यह विधेयक प्रेरित है, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर 42 केंद्रीय अधिनियमों में 183 प्रावधानों को अपराध-मुक्त किया। इसने छोटे अपराधों को गैर-अपराधीकरण करते हुए, दंड प्रणाली को तर्कसंगत बनाया और नागरिकों व उद्यमियों के लिए नियामकीय बाधाओं को दूर किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस विधेयक को राज्य की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग रैंकिंग को और मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक मध्यप्रदेश में शासन और विकास का नया अध्याय लिखेगा, जिससे निवेश बढ़ेगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

विधेयक में किए हैं कई महत्वपूर्ण सुधार
सरकार ने विधेयक में कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। अब छोटे अपराधों के लिए जेल भेजने की अपेक्षा जुर्माने से दंडित किया जाएगा। पुराने और जटिल कानूनों को हटाकर, कानूनी ढांचे को समय के अनुसार अपडेट किया गया है। इससे आम जनता और उद्यमियों को यह विश्वास होगा कि सरकार उनके साथ खड़ी है और उनके काम को आसान बनाना चाहती है।

पहले ही लागू किए जा चुके हैं सुधार
मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य में कई सुधार पहले ही लागू किए जा चुके हैं। सरकार ने 920 पुराने और अतार्किक हो चुके कानूनों को खत्म किया है, जिससे कानूनी प्रक्रिया सरल और तेज हुई है। स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लागू की गई हैं, जिनसे युवाओं और महिलाओं के स्टार्ट-अप में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि यह विधेयक न केवल एक कानूनी बदलाव है, बल्कि जनता और सरकार के बीच भरोसे का एक मजबूत पुल है।

कानून होंगे सरल
मोहन यादव ने कहा कि जब कानून सरल होंगे और अनुपालन में कठिनाई नहीं होगी, तो निवेश भी बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यह पहल मध्यप्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। सरकार का यह प्रयास राज्य में शासन और विकास का एक नया मॉडल पेश करेगा, जिससे हर वर्ग को लाभ होगा।

ये हुए हैं प्रमुख संशोधन
विधेयक में राज्य के 5 विभागों (औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, ऊर्जा, सहकारिता, श्रम, नगरीय विकास एवं आवास) के 8 अधिनियमों में 64 धाराओं में संशोधन किया गया है। इनमें कारावास को जुर्माने में बदलना, दंड को शास्ति में परिवर्तित करने और कंपाउंडिंग (शमन) प्रावधान जोड़ने जैसे सुधार शामिल हैं। अप्रचलित कानूनों का उन्मूलन- 920 अप्रचलित अधिनियम समाप्त किए गए।

व्यावसायिक क्षेत्र में काम होगा आसान
वहीं, व्यावसायिक क्षेत्र में काम आसान एवं त्वरित गति से होंगे। महिला नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप में 157% और कुल स्टार्ट-अप में 125% वृद्धि। ऋकर आधारित भूमि आवंटन प्रणाली और संपदा 2.0 जैसी पहलों से प्रक्रिया सुगम बनी। विधेयक में राज्य के 05 विभागों के 08 अधिनियमों में 64 उपबंधों में संशोधन है। जन विश्वास विधेयक लागू होने से छोटे अपराधों का गैर-अपराधीकरण होने से न्यायपालिका का भार कम होगा। अनुपातिक और प्रभावी दंड व्यवस्था लागू होगी। अनुपालन प्रक्रिया को सरल होने से व्यवसाय-अनुकूल वातावरण बनेगा जिससे उद्यमशीलता को प्रोत्साहन मिलेगा। यह विधेयक न केवल कानूनी प्रक्रिया में सुधार है, बल्कि यह नागरिकों और उद्यमियों के लिए सरकार के विश्वास और सहयोग का प्रतीक है। मध्यप्रदेश जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक-2024, मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शिता और सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पहल विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित करेगी।

कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना का बयान

यूक्रेन और इजरायल युद्ध के कारण हो रही खाद की कमी

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। मध्यप्रदेश में खाद की कमी के कारण हाहाकार मचा हुआ है। इसके कारण किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड में भी वे लाइन लगाकर सरकारी गोदामों के बाहर इंतजार कर रहे हैं। कहीं कहीं किसानों ने इन परेशानियों से तंग आकर प्रदर्शन और चक्का जाम भी किए हैं। वहीं इस पर सत्ताधारी सरकार के मंत्री का कहना है कि प्रदेश में खाद की कमी यूक्रेन और इजरायल युद्ध है। खाद की कमी को लेकर मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना ने बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनके मांग के अनुसार पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। अन्नदाताओं को फसल बोनी के समय के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया गया है। उनका दावा है कि प्रदेश में उर्वरक की कमी नहीं हुई है। वहीं कई जिलों में इसे लेकर किसानों के उग्र प्रदर्शन भी देखे जा चुके हैं। शिवपुरी में किसानों ने खाद की कमी को लेकर चक्का जाम तक कर दिया था। वहीं कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना का कहना है कि एमपी सरकार, किसानों की जरूरतों के प्रति बहुत संवेदनशील रही है। वहीं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को उचित दर पर बीज उपलब्ध कराया गया है। वहीं डीएपी की आपूर्ति में कुछ दिक्कतें आई हैं। यूक्रेन युद्ध, इजराइल युद्ध और स्वेज नहर की समस्याओं के कारण डीएपी की शिपमेंट अफ्रीका के रास्ते आ रही है, जिससे समय ज्यादा लग रहा है। डीएपी की कीमतें भी बढ़ गई हैं। लेकिन सरकार के प्रयासों से डीएपी पर 3500 रुपये प्रति टन की सब्सिडी मिल रही है। किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए सरकार ने 2023-24 में 19900 करोड़ रुपये का कर्ज बिना ब्याज के दिया है। इससे लगभग 33 लाख किसानों को फायदा हुआ है। ब्याज में लगभग 975 करोड़ रुपये की बचत हुई है। वहीं नहरों के माध्यम से वर्ष 2007-08 में सिंचित क्षेत्र 7.50 लाख हेक्टेयर था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर लगभग 50.46 लाख हेक्टेयर हो गया है। इससे किसानों को लाभ मिला है।

मदरसों में राष्ट्रगान को लेकर भिड़े रामेश्वर शर्मा और आरिफ मसूद

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। भोपाल में मदरसों में राष्ट्रगान को लेकर दो दिग्गज नेता आपस में भिड़ गए है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने मांग की कि सरकारी मदरसों में राष्ट्रगान अनिवार्य हो। वहीं कांग्रेस एमएलए आरिफ मसूद ने इसका विरोध किया है। दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हुई। शर्मा ने मसूद को राष्ट्रगान गाने की चुनौती भी दी। वहीं बीजेपी की एक और विधायक उषा ठाकुर ने सभी शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रगान अनिवार्य करने का समर्थन किया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मदरसों में राष्ट्रगान को लेकर दो वरिष्ठ विधायकों के बीच तीखी नोक-झोंक देखने को मिल रही है। हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के हिंदूवादी विधायक रामेश्वर शर्मा ने विधानसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी अनुदान प्राप्त मदरसों में राष्ट्रगान अनिवार्य किया जाए। शर्मा ने आगे कहा कि अगर सरकार मदरसों को जमीन और आर्थिक सहायता देती है, तो वहां राष्ट्रगान अनिवार्य क्यों नहीं हो सकता? इसमें क्या गलत है? सभी सरकारी अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थानों के लिए नियम समान होना चाहिए।

इस पर भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शर्मा की आलोचना करते हुए कहा कि बीजेपी एमएलए को विधानसभा में कोई भी अप्रासंगिक बयान देने से पहले मदरसों का दौरा करना चाहिए। मसूद ने कहा कि अगर बीजेपी विधायक कभी मदरसों में गए होते, तो उन्हें पता होता कि मदरसों में दाखिला लेने वाला हर बच्चा बिना किसी रुकावट के राष्ट्रगान गाता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा विधायक खुद राष्ट्रगान नहीं गा सकते। जाहिर है कि कांग्रेस नेता आरिफ मसूद का यह बयान रामेश्वर शर्मा को पसंद नहीं आया और उन्होंने कांग्रेस नेता पर पलटवार किया। रामेश्वर शर्मा ने मसूद को सार्वजनिक स्थान पर राष्ट्रगान गाने की चुनौती दी। गुरुवार को शर्मा ने कहा कि मैं उन्हे चुनौती देता हूं कि अगर आता है राष्ट्रगान तो गाए। वे राष्ट्रगान गा के दिखाए, मेरे सामने तो मैं उनके लिए ताली बजाऊंगा।

मप्र में ठंड से मिलने लगी राहत, कई जिलों में कोहरे का अलर्ट

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। मध्यप्रदेश के नागरिकों को कड़ाके की ठंड से राहत मिल गई है। 1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गए न्यूनतम तापमान में बढ़त आ गई है। हवाओं का रुख बदलने के कारण न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने लगी है। हालांकि कुछ जिलों में अभी भी ठंड अपना असर दिखा रहा है। शहडोल और सिवनी में शीतलहर चली। न्यूनतम तापमान की बात करें तो हिल स्टेशन पचमढ़ी में तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मैदानी क्षेत्रों की बात करें तो सबसे कम तापमान मंडला जिले में 4.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। जबकि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस उज्जैन में दर्ज हुआ। प्रदेश के प्रमुख जिलों के न्यूनतम तापमान को देखें तो मंडला में 4.5, उमरिया में 5.3, जबलपुर में 6.4, नौगांव में 5.4, भोपाल में 6.4, ग्वालियर में 6.4, इंदौर में 11.8, रायसेन में 7.6, राजगढ़ में 5.6, उज्जैन में 9.8, खजुराहो में 5.6, जबलपुर में 6.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ।

जिलों का अधिकतम तापमान
अधिकतम तापमान देखें तो उज्जैन में 31, मंडला में 30.6, जबलपुर में 27.01, रतलाम में 30, इंदौर में 29.6 और भोपाल में 28 दिसंबर 2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। कोहरे के कारण दृश्यता की बात की जाए तो ग्वालियर में दृश्यता घटकर 500 मीटर से 1000 मीटर के बीच रही। वहीं टीकमगढ़ में भी इसी तरह दृश्यता रही। इन दोनों जिलों में कोहरे का प्रभाव देखने को मिला।

मौसम विभाग का अलर्ट
मौसम विभाग ने प्रदेश की कुछ जिलों में कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है। इनमें ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, शिवपुर कला, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले शामिल है। हालांकि किसी भी जिले में शीत लहर या अन्य तरह की ठंड को लेकर कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग ने दृष्टिकोण जारी करते हुए बताया है कि 2 दिनों तक मौसम इसी तरह रह सकता है। इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा
मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर बनी चार मौसम प्रणालियों के प्रभाव के कारण हवाओं का रुख बदल गया है। इसके कारण ही न्यूनतम तापमान में बढ़त आई है। आने वाले दिनों में भी न्यूनतम तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगेगा।

यूट्यूब से पढ़ाई कर वायु सेना की फ्लाइंग ऑफिसर बनी भोपाल की मुस्कान

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। कहते हैं कि पढ़ाई-लिखाई में ध्यान लगाओ, सोशल मीडिया से रहो दूर, मगर इस धारणा को गलत साबित किया है भोपाल की मुस्कान खान ने। एक मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली 25 वर्षीय मुस्कान का चयन भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर (टेक्निकल ब्रांच) के तौर पर हुआ है। वायुसेना के नतीजे घोषित किए गए। शहर की सिद्धार्थ लेक सिटी कॉलोनी में रहने वाली मुस्कान के पिता एम.एच. खान जवाहर नवोदय विद्यालय के रिटायर्ड प्रिंसिपल हैं। मुस्कान ने बताया कि सब कुछ आप पर निर्भर करता है। यदि आप पढ़ाई कर रहे हैं और आपका अपने ऊपर कंट्रोल है, तो आपको कुछ भी भ्रमित नहीं कर सकता।वो कहती हैं कि मैंने सोशल मीडिया पर बहुत सारे ऐसे पेज फॉलो किए थे, जहां डिफेंस की तैयारी को लेकर अच्छा कंटेंट उपलब्ध है। मैंने इन्हीं पेजों को

अपनी इंस्पिरेशन बनाया। वहीं, यूट्यूब पर सीडीएस जर्नी नामक एक चैनल है, जिसकी फ्री क्लासेस मुझे बहुत मददगार लगीं। इसके अलावा, जीके से संबंधित कंटेंट के लिए में स्टडी आईक्यू से पढ़ती थी, जहां मॉक टेस्ट भी उपलब्ध होते हैं। मुस्कान बताती हैं कि उनके भाई का कुछ साल पहले भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के तौर पर चयन हुआ था। उसी समय से उन्होंने भी भारतीय वायुसेना में जाने का सपना देखा। मुस्कान के भाई ने बी.टेक किया है, और वे उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। मुस्कान के पिता एम.एच. खान बताते हैं कि 2016 में मुस्कान ने 12वीं की परीक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय से पास की थी। इसके बाद उन्होंने बी.टेक (कंप्यूटर साइंस) श्री वैष्णो विश्वविद्यालय, इंदौर से किया।

सम्पादकीय

बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर सियासत नहीं की जाना चाहिए

बाबा साहेब के पोते प्रकाश अंबेडकर ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि जो सोशल मीडिया पर अमित शाह का बयान है, उसमें कहीं भी तोड़-मरोड़ की बात मुझे दिखाई नहीं दी। वो सीधा कहते हैं अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर क्यों कह रहे हो? आप अगर भगवान-भगवान कहेंगे तो सात पीढ़ियां आपकी स्वर्ग में जाएंगी। तो इसमें मेरे ख्याल से कोई तोड़-मरोड़ की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर अमित शाह कह रहे हैं कि उनका बयान तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है तो उनका असली बयान क्या है, वो सामने लाएं।

पिछले कई दिनों से संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर संसद से सड़क तक विवाद जारी है। सदन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। कांग्रेस का आरोप है कि अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान किया। इसके जवाब में गृहमंत्री कह चुके हैं कि वे सपने में भी ऐसा नहीं कर सकते और कांग्रेस ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस बीच बाबा साहेब के पोते प्रकाश अंबेडकर ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि जो सोशल मीडिया पर अमित शाह का बयान है, उसमें कहीं भी तोड़-मरोड़ की बात मुझे दिखाई नहीं दी। वो सीधा कहते हैं अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर क्यों कह रहे हो? आप अगर भगवान-भगवान कहेंगे तो सात पीढ़ियां आपकी स्वर्ग में जाएंगी। तो इसमें मेरे ख्याल से कोई तोड़-मरोड़ की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर अमित शाह कह रहे हैं कि उनका बयान तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है तो उनका असली बयान क्या है, वो सामने लाएं। ताकि लोग मिलान कर सकें कि जो बयान सोशल मीडिया पर है और जो वो लोगों के सामने ले आना चाहते हैं, दोनों में क्या अंतर है। अमित शाह ने राज्यसभा में बयान दे दिया कि अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर कहना अब एक राजनीतिक फैशन बन गया है। इस बयान से कुछ हद तक कोई भी इत्तफाक रख सकता है, लेकिन गृहमंत्री ने यह भी कहा कि यदि इतनी बार भगवान का नाम लिया होता, तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग ही मिल जाता। बेशक बाद का कथन आपत्तिजनक है। संसद में ऐसे कथन 'असंसदीय' माने जाते रहे हैं। दरअसल बयान से न तो बाबा अंबेडकर का अपमान हुआ है और न ही किसी का सम्मान हुआ है। उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृहमंत्री का इस्तीफा मांगा और देश से माफी मांगने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से भी आग्रह किया कि अमित शाह को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर ही पलटवार कर सियासत को अलग दिशा दी। प्रधानमंत्री के बयान को सामान्य नहीं माना जा सकता। अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखने में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के अल्पकाल के बाद ही उन्हें अहसास हो गया था कि संविधान गलत हाथों में चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने राज्यसभा में ऐसा बयान दिया था। उस बयान के निहितार्थ ये थे कि बाबा को संविधान तैयार करने का अफसोस, उनके भीतर, था। लेकिन उन्होंने संविधान के जरिये दलितों, वंचितों, पिछड़ों, आदिवासियों आदि के लिए आरक्षण की जो व्यवस्था की और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं से लड़ने की जो क्षमता दी, उसके मद्देनजर यह वर्ग बाबा को 'महामानव' और 'भगवान' के समान ही मानते हैं। लिहाजा अंबेडकर के खिलाफ जो सियासत खेली जाती है या विवादास्पद बयान दिए जाते हैं, तो वे हरकतें इन तबकों को असहनीय लगती हैं। अंबेडकर से भाजपा (अथवा जनसंघ) के राजनीतिक सरोकार बेहद कम रहे हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू ने उन्हें देश की प्रथम राष्ट्रीय सरकार में कानून मंत्री बनाया था। उसी सरकार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। नेहरू और इन दोनों बौद्धिक नेताओं के बीच कई विरोधाभास थे। वे नेहरूवादी नीतियों से सहमत भी नहीं थे, नतीजतन दोनों ने मंत्री पद से इस्तीफे दिए। कांग्रेस में अंबेडकर की राजनीति के विरोध की शुरुआत यहीं से होती है। श्यामा प्रसाद ने जनसंघ पार्टी की स्थापना की, तो अंबेडकर ने डॉ. राममनोहर लोहिया के साथ मिल कर सामाजिक न्याय की राजनीति का सूत्रपात किया।

कोई भी कानून डिजिटल अरेस्ट की इजाजत नहीं देता

आम जनता को यह जानकारी होना जरूरी है कि सम्पूर्ण विश्व में कहीं भी ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, जो 'डिजिटल गिरफ्तारी' की अनुमति देता हो। गिरफ्तारी एक औपचारिक कानूनी प्रक्रिया है, जिसके लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता होती है और सख्त कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाता है। फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, घोटालेबाज नकली डिजिटल गिरफ्तारी वारंट या तत्काल कानूनी कार्रवाई की धमकी जैसी रणनीति का उपयोग कर रहे हैं और आम लोग उनके झांसे में फंस भी जाते हैं।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए वीडियो कॉल या ऑनलाइन निगरानी के जरिये 'गिरफ्तारी' करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। अगर आपको ऐसे कॉल आते हैं, तो यह एक धोखाधड़ी है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 धारा 63 के तहत केवल समन को डिजिटल रूप में इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से तामील करने का प्रावधान करती है। इसमें कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक रूप से तामील किया जाने वाला प्रत्येक समन एन्क्रिप्टेड होगा और उस पर न्यायालय की मुहर या डिजिटल हस्ताक्षर की छवि होगी। इसके अलावा, बीएनएसएस की धारा 532 के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक संचार के उपयोग से या ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक साधनों के उपयोग से परीक्षण और कार्यवाही इलेक्ट्रॉनिक मोड में आयोजित की जा सकती है। लेकिन डिजिटल गिरफ्तारी जैसा कोई प्रावधान किसी भी कानून में नहीं है। इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि के साथ डिजिटल युग ने हमें हैरतअंगेज सुविधाएं तो प्रदान की हैं, लेकिन इसने साइबर अपराधियों के एक नए वर्ग को भी जन्म दिया है जो परिष्कृत तकनीकी जालसाजी का उपयोग कर मासूम लोगों को ठगते हैं। साइबर खतरों के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, सबसे खतरनाक और भयावह घोटालों में से एक 'डिजिटल हाउस अरेस्ट' एक ऐसा सोशल इंजीनियरिंग घोटाला है, जिसमें साइबर अपराधी कानून प्रवर्तन अधिकारियों का छद्म रूप धारण कर फोन कॉल, ईमेल या सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से अपना शिकार चुनते हैं। ये घोटालेबाज आपको बरगलाने के लिए आधिकारिक रूप से यह दावा करते हैं कि आपके या आपके परिवार के किसी सदस्य के बैंक खाते, सिम कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेन्स या अन्य पहचान पत्र का गैर कानूनी गतिविधियों में उपयोग किया गया है। और कूटरचित दस्तावेजों और बलपूर्वक मानसिक दबाव डालकर लोगों की कानून के बारे में अज्ञानता और कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। डिजिटल अरेस्ट संबंधित छल तेजी से अपने पांव पसार रहा है। पिछले महीने, नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी से 55 लाख रुपए ठग लिए गए। वर्धमान समूह के 82 वर्षीय अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एसपी ओसवाल 7 करोड़ रुपए की बड़ी ठगी का शिकार हो गए। भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ सहित विभिन्न सरकारी एजेंसियों के उच्च पदस्थ अधिकारी होने का दिखावा करने वाले धोखेबाजों के एक समूह ने इस योजना को अंजाम दिया। इंदौर स्थित राजा रमन्ना प्रगत प्रोद्योगिकी केंद्र के एक वरिष्ट वैज्ञानिक अनिल कुमार भी इस जालसाजी के शिकार बन 71 लाख रुपए गंवा बैठे। यहां तक कि एक बड़ी राष्ट्रीय न्यूज चैनल की तेज तर्रार रिपोर्टर भी इनका शिकार बन गई थी। आमतौर पर, यह घोटाला किसी सरकारी संस्था, जैसे पुलिस, सीबीआई या अन्य कानून प्रवर्तन संगठनों के प्रतिनिधि के रूप में किसी व्यक्ति द्वारा अनचाहे संदेश, फोन कॉल या वीडियो कॉल से शुरू होता है। घोटालेबाज दावा करता है कि आप या आपके परिवार का सदस्य मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी, ड्रग या पोर्न जैसी किसी गंभीर अवैध गतिविधि में संलग्न पाया गया है। ये जालसाज अपने शिकार के मन में भय पैदा करने के लिए कई तरह के अनूठे हथकंडे अपनाते हैं। मामले की तहकीकात कर 'हल' करने के लिए वो तत्काल वीडियो कॉल की मांग करते हैं। कॉल पर आते ही कॉल करने वाला आपको डराने के लिए सरकारी वेशभूषा में अपराध की गंभीरता के बारे में चेतावनी देते हुई उससे जुड़े सजा के प्रावधानों के बारे में कानूनी भाषा में बढ़ा चढ़ाकर बताता है। और गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने के लिए कहता है। कॉल के दौरान, घोटालेबाज जाली पहचान पत्र या अदालती दस्तावेज दिखाकर पीड़ित को और अधिक डरा सकता है। एक बार आप डर गए तो वो आपको गिरफ्तारी की धमकी देते हुए और अधिक डराते हैं। स्थिति को अपने नियंत्रण में रखने के लिए, पीड़ितों को अकसर वीडियो कॉल पर लंबे समय तक रहने के लिए कहा जाता है। इससे उनके शिकार किसी बाहरी सहायता या सच्चाई की जांच करने से वंचित हो जाते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य अपने शिकार को लूटना होता है तो ये अनुभवी अपराधी गिरफ्तारी से बचने या जमानत के लिए तुरंत भुगतान करने के लिए दबाव बनाते हैं। आप पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए ये जालसाज एआई जनित रोने-चीखने की आवाजें निकालने या परिवार के सदस्यों के रूप में ऑनलाईन प्रस्तुत होने जैसी तकनीकों का उपयोग कर घोर संकट की मनगढ़ंत संभावना पैदा करते हैं। इन सब हथकंडों से पीड़ित की भावनात्मक स्थिति कमजोर हो जाती है और वो उनकी बात मानने के लिए मजबूर हो जाते हैं। जब आप उनके सामने समर्पण की मुद्रा में आ जाते हैं तो वो मामला रफा-दफा करने में आपकी सहायता करने की पेशकश सामने रखते हैं, मामले को बंद करने और 'समझौता' करने के बदले में आपसे एक बड़ी राशी लूटने में सफल हो जाते हैं। देश में इस तरह के मामलों की बढ़ती तादाद देखकर गृह मंत्रालय की साइबर सुरक्षा जागरूकता शाखा साइबर दोस्त ने 'डिजिटल गिरफ्तारी' घोटालों में वृद्धि के जवाब में एक सार्वजनिक सलाह जारी की, जिसमें नागरिकों को ऐसी धोखाधड़ी वाली योजनाओं का शिकार न होने की चेतावनी दी गई है। परामर्श में स्पष्ट किया गया है कि घबराए नहीं, सतर्क रहें, केंद्रीय जांच ब्यूरो, पुलिस, सीमा शुल्क, प्रवर्तन निदेशालय या न्यायालय सहित कोई भी कानून प्रवर्तन एजेंसियां वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी नहीं करती हैं। आम जनता को यह जानकारी होना जरूरी है कि सम्पूर्ण विश्व में कहीं भी ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, जो 'डिजिटल गिरफ्तारी' की अनुमति देता हो। गिरफ्तारी एक औपचारिक कानूनी प्रक्रिया है, जिसके लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता होती है और सख्त कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाता है। फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, घोटालेबाज नकली डिजिटल गिरफ्तारी वारंट या तत्काल कानूनी कार्रवाई की धमकी जैसी रणनीति का उपयोग कर रहे हैं और आम लोग उनके झांसे में फंस भी जाते हैं। डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों का शिकार होने से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए। घोटालेबाजों द्वारा तेजी से परिष्कृत रणनीति अपनाने के कारण आपका सतर्क रहना और वांछित सावधानी बरतना जरूरी है। ये घोटालेबाज अपने संभावित शिकार को मजबूर करने के लिए डर और तत्परता पर भरोसा करते हैं अत~ सबसे पहले तो ऐसी कॉल मिलते ही घबराएं बिल्कुल भी नहीं, उत्तेजित भी न हों और चौकस दृष्टिकोण बनाए रखें। अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्थिति का शांति से आकलन करने के लिए कुछ समय निकालें। कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान सत्यापित करें, यदि कोई कानून प्रवर्तन एजेंसी से होने का दावा करता है, तो वीडियो कॉल पर संलग्न न हों और पैसा ट्रांसफर तो कदापि न करें। उनकी पहचान का प्रमाण मांगें और आधिकारिक स्रोतों से क्रॉस-चेक करें। इस कॉल के दौरान व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें, कभी भी फोन या वीडियो कॉल पर संवेदनशील व्यक्तिगत या वित्तीय विवरण साझा न करें, खासकर अज्ञात नंबरों के साथ। वीडियो कॉल या चैट प्लेटफॉर्म की जांच करें, असली सरकारी एजेंसियां आधिकारिक संवाद या गिरफ्तारी के लिए वाट्सएप, जूम या स्काइप जैसे एप प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं करती हैं। डर को अपने निर्णय पर हावी न होने दें। अगर आप दबाव या धमकी महसूस करते हैं, तो तुरंत कॉल काट दें और दोबारा उनकी कॉल न उठाएं। संदिग्ध कॉल की तुरंत रिपोर्ट करें, अगर आपको कोई संदिग्ध कॉल आती है, तो तुरंत अपने स्थानीय पुलिस थाने में या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल "33स्र2~//8ी1्री.ड्म5.ल्ल/ पर इसकी रिपोर्ट करें। साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करके सहायता मांग सकते हैं। इनके अलावा भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (उएफळ-कल्ल) "33स्र2~//666.1113-ल्ल.ड्म1.ल्ल/ और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा गठबंधन~ "33स्र2~//2382ीड्मल्ल'ल्ली.ड्म1/ से भी संपर्क कर सकते हैं। कानून के बारे में जागरूक होने और आवश्यक सावधानी बरतने से, घोटाले का शिकार बनने के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दुनिया में मानवाधिकारों का हनन... एक ज्वलंत प्रश्न

भारत के संविधान में संविधान निर्माताओं ने आम नागरिक के अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी उल्लेख किया है। इन्हें संविधान में नीति निदेशक तत्व कहा है। नीति निदेशक तत्वों में विश्व वंदनीय अहिंसा के अवतार भगवान महावीर के पावन संदेश 'जियो और जीने दो' के साथ विश्व शांति प्राणी मात्र के कल्याण की भावना समाहित की गई है। इसी प्रकार मौलिक अधिकारों में आम आदमी के सर्वांगीण विकास की कानूनी व्यवस्था की गई है।

भारतीय संविधान में सुप्रसिद्ध कानूनविद् डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माताओं ने आम नागरिक के मानवाधिकारों का हनन न हो इसकी समुचित व्यवस्था की है। दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एक नहीं अनेक प्रयास किए हैं। मानवाधिकारों की रक्षा हेतु सर्वप्रथम ब्रिटेन में सन 1215 में महान घोषणा पत्र प्रकाशित हुआ। इस घोषणा पत्र में उल्लेख किया गया है कि किसी नागरिक को उस समय तक बंदी न बनाया जाए और न ही निर्वासित किया जाए, जब तक उसका अपराध सिद्ध न हो जाए। ब्रिटेन में ही सन 1679 में बंदी प्रत्यक्षीकरण अधिनियम पारित किया गया। इसमें व्यवस्था की गई कि बिना अभियोग चलाए किसी भी व्यक्ति को नजरबंद नहीं रखा जा सकता। ब्रिटेन में ही सन 1689 में अधिकार पत्र पारित कराया इसमें अन्य बातों के अलावा यह व्यवस्था थी कि संसद में जनता के प्रतिनिधियों को भाषण की स्वतंत्रता होगी। दुनिया में मानवाधिकारों की रक्षा पर अटलांटिक चार्टर सन 1941 एवं संयुक्त राष्ट्र संघ घोषणा 1942 से बल मिला। संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में मूलभूत मानवीय अधिकारों में गौरव तथा मूल्यों में, स्त्री व पुरुषों के समान अधिकारों को पुन~ स्वीकार किया गया। कुछ आवश्यक संशोधनों के साथ 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया। इस मानवाधिकार घोषणा पत्र में प्रस्तावना सहित 30 अनुच्छेद हैं। इसके बाद 1993 में वियना में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए सम्मेलन हुआ। जिसमें 171 देशों ने सहयोग करने का आश्वासन दिया। इसका अनुमोदन दिसंबर 1993 में संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा में किया। वियना घोषणा में उल्लेख किया बड़े पैमाने वाले मानवाधिकारों के हनन, विशेष कर जनसंहार, जातीय विद्वेष और बलात्कार, आत्मनिर्णय, वर्तमान और भविष्य की पर्यावरण संबंधी जरूरतों,परेशानी में रह रहे लोगों,विशेष रूप से अप्रवासी श्रमिकों, विकलांग व्यक्तियों और शरणार्थियों के साथ महिलाओं और बालिकाओं के मानवाधिकारों पर बल दिया गया। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि यद्यपि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों की हर स्तर पर रक्षा करने का संकल्प लिया गया है। दुनिया का हर देश भी चाहता है उसके नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। परंतु सरकारें यह जानते हुए कि उनकी रक्षा करना चाहिए, व्यवहारिक रूप देने में असफल हैं। भारत में हम आम नागरिकों की स्थिति को देखें तो आजादी के 75 वर्ष बाद भी दयनीय स्थिति है।

ग्रामीण अंचल में आज भी छुआछूत नहीं मिटी है। दलितों को गांव के कुए से पानी नहीं भरने दिया जाता है। गांव के जमींदार ठाकुर साहब या मुखिया के मकान के आगे से भी दलितों हरिजनों को जूते चप्पल पहनकर निकलने की अनुमति नहीं है। ग्रामीण अंचल में दलितों को दूल्हे को घोड़ी पर बैठाकर बारात निकालने की अनुमति नहीं है। कोई हरिजन दलित इन पुराने दकियानूसी नियमों को तोड़ने का दुस्साहस करता भी है तो उस पर अनेक अत्याचार होते हैं। गोली चल जाती है, मकान-खेत में आग लगा दी जाती है। गांव से ही निकाल दिया जाता है। हमारे देश भारत में ही करोड़ों बच्चे भीख मांगते देखे जाते हैं। 10 से 15 वर्ष के बच्चे देश में लाखों करोड़ों की संख्या में रेलवे स्टेशनों के आसपास प्लास्टिक की थैली एवं प्लास्टिक की पानी की खाली बोतल एकत्रित करते दिख जाएंगे। गरीब के बच्चे पढ़ते भी हैं तो उन्हें कक्षा 5 में जोड़ना घटाना नहीं आता है। उन्हें 10 तक पहाड़ा नहीं सिखाया जाता है। इन सब विसंगतियों के वावजूद उन्हें कक्षा 5 तक अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण कर दिया जाता है। भारत में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध के वावजूद 18 वर्ष से कम आयु के करोड़ों बच्चे बाल मजदूरी कर रहे हैं, उन्हें पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही है। रहने, जीवन यापन करने, रोटी कपड़ा मकान की सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। सरकार स्वयं संविदा में कर्मचारियों की नियुक्तियां करती है। इनमें कुछ नियुक्तियां तदर्थ करती है। क्या इन्हें समान कार्य के लिए समान वेतन,अवकाश, पेंशन आदि की सुविधा मिलती है?

कोरोना महामारी के भारी प्रकोप के कारण देश व्यापी लॉकडाउन 24 मार्च 2020 को 21 दिन का लगाया। हजारों उद्योग एवं फेक्ट्री बंद हो जाने से लाखों मजदूर भुखमरी के शिकार हो गए। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार के मूल निवासी मजदूरों का पलायन हुआ। अपने अपने प्रदेश सुरक्षित पहुचने की आशा से उन मजदूरों ने रेल एवं बस की सुविधा नहीं मिलने पर पैदल यात्रा सैकड़ों एवं हजारों किमी की सड़क मार्ग से की। भूखे प्यासे मजदूरों की सहायता स्वयं सेवी संस्थाओं ने उदारता से की। इन असहाय दुखी मजदूरों की सहायता करने सरकार ने मानवीयता का परिचय नहीं दिया। मानवाधिकारों के हनन का इससे बड़ा उदाहरण मिलना असंभव प्रतीत होता है। भारत में सबसे ज्यादा शोषण बाल मजदूरी के नाम पर नौनिहालों का हो रहा है। बाल मजदूरी के नाम पर एक घटना का उल्लेख कर रहा हूं, इस घटना से मैं स्वयं बहुत दुखी हुआ हूं। बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवनभर संघर्ष करने बाले कैलाश सत्यार्थी को सन् 2015 में नोबल शांति पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान मिला तो दुनिया में हम भारतवासियों का सिर गर्व से ऊंचा हुआ। नोबल शांति सम्मान मिलने पर सत्यार्थी 6 जनवरी 2016 को गुना पधारे। गुना में उनकी भव्य शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में घोड़ा चल रहा था, उस घोड़े की रस्सी हाथ में लेकर 10 वर्ष का बाल मजदूर चल रहा था। सत्यार्थी को भी पता नहीं था, जिस बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष करते रहे हैं, गुना वालों ने उन्हें दिखा दिया कि आप संघर्ष करते रहें बाल मजदूरी दुनिया से समाप्त नहीं हो सकती। सारी दुनिया मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बना रही है। इन कानूनों का पालन नहीं हो रहा है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सरकारों के साथ साथ आम आदमी की दूषित मानसिकता में परिवर्तन आवश्यक है।

(लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार हैं)

थैले में फिलीस्तीन की आजादी

गांधी-नेहरु परिवार लम्बे अरसे से राजनीति में सक्रिय है। लेकिन यह शायद पहली बार है कि लगभग सारा परिवार संसद में उपस्थित है। सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं, उनका बेटा राहुल गांधी और उनकी बेटी प्रियंका गांधी लोकसभा की सदस्य हैं। मोती लाल नेहरु से राजनीति शुरू करने वाला यह परिवार सोनिया गांधी तक पहुंचते-पहुंचते देश की राजनीति में तो बना हुआ है, लेकिन भारतीय संस्कृति, उसके इतिहास व समाजशास्त्र से बुरी तरह कट चुका है। इसमें परिवार की इस पीढ़ी का दोष नहीं है। सोनिया गांधी से इस प्रकार की आशा भी नहीं करनी चाहिए। जहां तक उनके बेटे और बेटी का प्रश्न है, वे छोटी उम्र में ही पिता के साये से मरहूम हो गए थे। इसलिए उन पर माता का ही प्रभाव पड़ सकता था। यह प्रभाव पड़ा भी। यही कारण है कि राहुल गांधी जलेबियों की फैक्टरियां लगवा कर चुनाव जीतने की रणनीति बनाने लगे। जहां तक प्रियंका गांधी का प्रश्न है, उसको शायद किसी ने बता दिया होगा कि आजकल देश में प्रमुख मुद्दा फिलीस्तीन की आजादी का है। यदि कांग्रेस फिलीस्तीन की आजादी के पक्ष में खड़ी हो जाती है, तो भारत के लोग कांग्रेस के पक्ष में खड़े हो सकते हैं। यानी भारत में कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता फिलीस्तीन की आजादी में से होकर गुजरता है। लेकिन असली मसला तो यह था कि कांग्रेस या भारत की फिलीस्तीन को आजादी दिलवाने में क्या भूमिका हो सकती है? आजादी प्राप्त करने का तरीका क्या है? सोनिया गांधी परिवार के लिए गणित के इस कठिन प्रश्न का उत्तर पा लेना जरूरी था। अब इस कठिन प्रश्न का उत्तर कांग्रेस के लिहाज से एक ही हो सकता था कि प्रियंका गांधी अपने कन्धे पर 'फिलीस्तीन की आजादी' लिखा बैग लेकर संसद में जाए तो फिलीस्तीन आजाद हो सकता है। फिलीस्तीनी आजादी से प्रसन्न होकर भारत में कांग्रेस की सत्ता वापसी हो सकती है। दूसरे दिन किसी ने बता दिया कि फिलीस्तीन की आजादी भारत का इश्यू नहीं है। यहां तो सत्ता वापसी का रास्ता बांग्लादेश के हिंदू का मसला उठाने से बन सकता है। तब दूसरे दिन प्रियंका गांधी अपने पर्स पर बांग्लादेश लिखवा लाईं। लेकिन चिंता तो है ही। समय निकलता जा रहा है और सत्ता वापस आने के आसार दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहे। खुदा का शुक्र है कि सोनिया जी के दोनों बच्चे अंग्रेजी पढ़े लिखे हैं। पुराने 'ब्रिटिश मास्टर' की किताबों में दिन-रात खपते हैं। आखिर यूरोप के लोग दो सौ साल हिंदुस्तान पर राज कैसे कर गए? इस मामले में सोनिया गांधी भी कुछ न कुछ बताती ही होंगी या कम से कम माथा तो खपाता ही होंगी। तब पता चलता है कि वे भारत के लोगों में फूट डालते थे और राज करते थे। तभी से पूरा राज परिवार भारत में हर हालत में जाति के आधार पर जनगणना करवाने को लेकर छटपटा रहा है। प्रतीक्षा करनी चाहिए, अब प्रियंका गांधी जाति गणना करवाएं वाला बैग लेकर संसद में कब आती हैं। सत्ता वापसी का एक दूसरा रास्ता भी दिखाई दे रहा है। ईवीएम को लेकर प्रतिदिन मातमी धुनें बजाई जाएं। इससे देश के भविष्य का प्रश्न जोड़ा जाए। इसलिए हर रोज कायदे से ईवीएम के तबले पर घंटों रियाज किया जाता है। लेकिन राज परिवार की इन हरकतों से आसपास के राजनीतिक पड़ोसी भी घबराहट में हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तो इस बेमानी शोर शराबे से तंग आकर कह ही दिया कि लगता है आप लोगों से यह हो नहीं पाएगा। ईवीएम का रोना धोना बंद करो, सत्ता प्राप्ति का कोई दूसरा रास्ता तलाशो। लेकिन राज परिवार का यही तो संकट है। सत्ता तक पहुंच पाने का दूसरा रास्ता कहां है, सोनिया-राहुल-प्रियंका ने उस रास्ते की तलाश में मल्लिकार्जुन खडगे साहिब को आगे कर दिया। वह हाथ में डंडा लेकर अंधेरे में टटोलते हुए एक-एक कदम आगे चलते हैं और राज परिवार उनके पीछे चलता है। दुनिया आशा पर ही टिकी हुई है। वैसे भी खडगे देसी आदमी हैं, इस देश को बखूबी समझते हैं। कहीं न कहीं तो पहुंचाएंगे ही। परंतु खडगे भी बेचारा क्या कर सकता है। दुनिया की नजर में तो वह आगे-आगे दिखाई देता है, लेकिन आज्ञा पीछे से राज परिवार ही दे रहा है। कभी दाएं मुड़, कभी बाएं मुड़। इस बुढ़ौती में खडगे साहिब परेशान हैं। लेकिन हर हालत में इस पुराने राज परिवार के बच्चों को इस देश के तख्त पर बिठाना है। पर बच्चे नटखट हैं। खडगे की सुनते नहीं, उन पर अपना हुक्म चलाते हैं। कभी सोरोस जार्ज के कन्धों पर सवार होकर चिकोटी काटते हैं और कभी अमेरिका की भारत विरोधी डीप स्टेट के अंग संग दिखाई देते हैं। यह डीप स्टेट इतना तो समझ ही गई है कि भारत को तोड़ने का जो सामान और पटाखे उसने लम्बे अरसे से तैयार कर रखे थे, अब भारत में उसके माल का असली ग्राहक मिल गया है। इसलिए ह्यफाइव आईजह्ल से ये पटाखे लेकर राज परिवार के बच्चे हर रोज भारत के आंगन में जलाते हैं और विदेशी षड्यन्त्रों का प्रदूषण फैलाते हैं। किसान को तो रोज समझाया और डराया जा रहा है कि पराली मत जलाओ, इससे प्रदूषण फैलता है। लेकिन यह पुराना राज परिवार विदेशी षड्यन्त्रों का जहरीला धुआं हर रोज फैलाता है। पर इनको कौन समझाए? खडगे साहिब समझाते तो जरूर होंगे। पर बेचारे क्या करें? लाचार हैं। इस उम्र में राज परिवार की सेवा से किनारा भी तो नहीं कर सकते। अब राज परिवार पर एक नया भूत चढ़ बैठा है। हिंदू को छोड़ो, मुसलमान को पकड़ लो। वही इस भवसागर से पार लगाएगा और सत्ता के किनारे तक पहुंचा देगा। दूर पार के लोगों ने समझाया भी यहां हिन्दुस्तान में मुसलमान जैसा कुछ नहीं है। ये सब इसी देश के लोग हैं, इटली या अरब से आए हुए लोग नहीं हैं।

बर्खास्त पुलिस आरक्षक की पत्थर पटककर निर्मम हत्या

पीपल के पेड़ के नीचे चबूतरे पर मिली खून से सनी लाश

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जटवारा में बीती रात किन्हीं अज्ञात लोगों ने एक बर्खास्त पुलिस आरक्षक की पत्थर पटककर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। वारदात की सूचना मिलने पर कुठला पुलिस ने गांव पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लिया और मर्ग पंचनामा करने के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक बालाघाट जिले में आरक्षक के पद पर पदस्थ था और बैहर थाने में पदस्थ रहने के दौरान पुलिस विभाग द्वारा उसे बर्खास्त कर दिया गया था, तब से वो गांव में ही रह रहा था। कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जटवारा में पीपल के पेड़ के नीचे चबूतरे में एक व्यक्ति की खून से लथपथ लाश पड़ी होने की सूचना ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

बताया जाता है कि आज सुबह जब ग्रामीण नींद से जागने के बाद अपने कामकाज के लिए घरों से बाहर निकले, तब उनकी नजर गांव में मौजूद गौरी शंकर मंदिर के सामने स्थित पीपल के पेड़ के नीचे चबूतरे पर मुकेश की रक्त रंजित लाश पर पड़ी। खून से सनी मुकेश की लाश देखे जाने के बाद पूरे गांव में हडकंप की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की जानकारी लगते ही कुठला पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस द्वारा शव को अपने कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गई है। बर्खास्त पुलिस आरक्षक की हत्या लाठी डंडे एवं घातक हथियार से मारकर की जाना बताई जा रही है। हत्या बीती देर रात 11 के बाद होना संभावित है। हत्या किन कारणों से हुई और हत्यारे कौन हैं, इसका पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है।

बालघाट में रहते हैं पत्नी और बच्चे सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जटवारा निवासी 54 वर्षीय मुकेश उर्फ लाला शर्मा पिता दादूराम शर्मा बालाघाट जिले में पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर पदस्थ था। यहां बैहर थाने में पदस्थ रहने के दौरान पुलिस विभाग द्वारा उसे किन्हींकारणोंवश बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद से ही वह अपने गांव जटवारा में निवास कर रहा था, जबकि उसकी पत्नी और बच्चे बालाघाट में ही रहते हैं।

कटनी में भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ करा विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जलाया पुतला

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, संसद में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कटनी जिले के सुभाष चौक ओर भाजपा के पदाधिकारी और भाजयूमो कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला जलाकर प्रदर्शन किया। वही कांग्रेसियों ने मिशन चौक पर भाजपा का विरोध करने एकत्रित हुए। संसद परिसर में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा धक्का दिए जाने का विरोध युवा मोर्चा और भाजपा नेताओं ने कटनी जिले में भी किया। भाजपा के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में सुभाष चौक पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी का पुतला जलाया और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र को आघात पहुंचाया है, इसके लिए देश उन्हें माफ नहीं करेगा। कांग्रेस ने हमेशा संविधान को पैरों तले रखा और अब अमानवीय व्यवहार कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता के धक्के से गिरकर भाजपा सांसदों को चोट लगी। यह संसद के इतिहास का यह काला दिन है। साथ ही यह आरोप है कि कांग्रेस के द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के फर्जी और एडिटेड वीडियो के माध्यम से जनता को गुमराह करने का काम किया जा रहा है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ झूठी शिकायतें कर राजनीति की जा रही है। वही कटनी जिले के कांग्रेसी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अमित शाह विरोधी नारे लगाते हुए मिशन चौक पर ज़ोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेस के पदाधिकारी अमित शुक्ला ने कहा गृहमंत्री अमित शाह के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर की गई ये टिप्पणियां न केवल भारत के महानतम नेताओं में से अद्वितीय विरासत का अपमान हैं, बल्कि उन करोड़ों भारतीयों का भी घोर अपमान है, जो उन्हें भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रणेता के रूप में पूजते हैं। बाबा साहब इस देश की आत्मा में बसते हैं, उनका अपमान सहन नहीं बाबा साहब अंबेडकर पर अमित शाह की ओर से दिया गया बयान अत्यंत निन्दनीय है। बाबा साहब इस देश की आत्मा में बसते हैं उनका अपमान सहन नहीं किया।

शिकायतों की जांच करने कटनी के नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय पहुंची..भोपाल की टीम

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, आज शाम कटनी के नागरिक आपूर्ति निगम के दफ्तर में अचानक से भोपाल से आई एक टीम ने दबिश दी जिसको देख कर ऑफिस में हड़कंप मच गया... क्योंकि कुछ दिनों पूर्व ही नागरिक आपूर्ति निगम की शिकायत राइस मीलर्स ने उच्च अधिकारियों से की थी।

भोपाल से आए फूड विभाग के ज्वॉइन डायरेक्टर फूड ए के हरेंद्र ने बताया कि धान उपार्जन की व्यवस्था ओर मिलिंग की शिकायतों को लेकर त्रि स्तरीय दल कटनी आया हुआ है.वही कटनी में सीएमआर चावल की शिकायत है उसकी जांच भी की जा रही है वही इसमें समाहित अन्य जो भी शिकायत आई है उस पर भी जांच की जा रही है जिसकी रिपोर्ट राज्य शासन को सौंपी जाएगी। सेहत सुरक्षा के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियां की गई

उद्योग से जुडे कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर करें - डीएम मनीष बंसल

निर्धारित समयसीमा में उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण किया जाए सुनिश्चित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों में आवेदक की कमी होने पर उससे समन्वय स्थापित कर प्रकरण निस्तारित किया जाए। निर्धारित समयसीमा में उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

पिलखनी इंडस्ट्रियल एरिया में नाला निर्माण हेतु 25 दिसंबर तक डीपीआर तैयार कर मुख्यालय भेजना सुनिश्चित किया जाए। हौजरी मैन्यू0 एसोसिएशन द्वारा जनता रोड की औद्योगिक इकाइयों को लिंक रोड स्थित 66 केवीए विद्युत फीडर से 01 माह में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्योगबंधुओं से जुडे कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर करें। अनावश्यक रूप से किसी उद्योग का उत्पीड़न न हो। औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी में बन्द पडी इकाईयों के संबंध में एसडीएम सदर को एक सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एस पी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, डीसी डीआईसी वीके कौशल, आईआईए से अनूप खन्ना, लघु उद्योग भारती से अनुपम गुप्ता, व सीएसआई से अध्यक्ष रविन्द्र मिगलानी, मनजीत अरोडा, अध्यक्ष-हौजरी एसोसिएशन एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पालिका और पुलिस टीम ने देवबंद क्षेत्र में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

अतिक्रमणकारियों और पॉलीथीन का इस्तेमाल करने वालो से 5 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण पर पालिका और पुलिस टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान अतिक्रमणकारियों और पॉलीथीन का इस्तेमाल करने वालो से 5 हजार रुपये का शमन शुल्क भी वसूल किया गया। एसडीएम देवबंद दीपक कुमार के आदेश पर पालिका की टीम द्वारा नगर के भायला रोड पर अतिक्रमण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान प्रतिबंधित पॉलीथिन, डिस्पोजल गिलास आदि जब्त किए गए। अतिक्रमण फैलाने

वालों से लगभग 5000 का जुर्माना वसूल किया गया। देवबंद नगर के भायला रोड पर विकास चौधरी के नेतृत्व में पालिका टीम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया तो जुर्माने के साथ मुकदमा लिखकर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सफाई निरीक्षक पोपिन कुमार, मोहम्मद अकबर, बिरला सूद, साजिद अली, ऋषभ गर्ग और लियाकत आदि मौजूद रहे।

डी.ई.आई.सी. भवन में आयोजत पांच दिवसीय शिविर के पहले दिन 63 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश जैन ने बताया सेहत सुरक्षा की दृष्टि से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। जिला स्तर पर पांच दिवसीय नेत्र, अस्थि एवं टी.बी.रोग की जांच-उपचार शिविर की शुरूआत की गई। वहीं शहरी क्षेत्र दमोह सहित विकासखण्ड स्तर पर एनिमिया मुक्त भारत के तहत् महाविद्यालय एवं विद्यालयों मे एनिमिया से बचाव में उपयोगी आयरन टेबलेट के महत्व पर आर.बी.एस.के. दल द्वारा स्वास्थ्य चर्चा आयोजित कर छात्र-छात्राओं में एच.बी.स्तर एवं नेत्र विकार की जांच भी की गई।

डी.ई.आई.सी. भवन में आयोजत पांच दिवसीय शिविर के पहले दिन

63 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ सी.एम.एच.ओ. डॉ. जैन ने बताया जिला चिकित्सालय परिसर में स्थित संचालित डी.ई.आई.सी. केन्द्र में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. छाया राय द्वारा मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं अस्थि से जुड़े परेशानियों वाले मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमराज सींग द्वारा किया गया। शिविर दौरान 63 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। स्वास्थ्य शिविर में पूर्व से चिन्हित नेत्र विकार के 17, अस्थि रोग से जुडे 12 एवं जनरल ओ.पी.डी से शिविर में पहुंचे नेत्र, अस्थि विकार से जुडे 34 मरीज शामिल रहे।

तीन नये टी.बी.मरीजों की पुष्टि उन्होंने बताया क्षय इकाई में डॉ गौरव जैन द्वारा शिविर में पहुंचे लोगो का स्वास्थ्य जांच कर टी.बी. की आशंका वाले मरीजों की खकार एवं एक्स-रे जांच कराई गर्ठ। तीन नये टी.बी.मरीजों की पुष्टि हुई। जिनका उपचार शिविर दौरान आरंभ किया गया। एनिमिया मुक्त भारत के तहत् एनिमिया से बचाव में उपयोगी **आयरन युक्त गोली के सेवन करने दिलाई शपथ** एनिमिया मुक्त भारत के तहत् एम.एल.बी., जे.पी.बी. स्कूल में पहुंचकर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विशाल शुक्ला ने एनिमिया के लक्षण एवं बचाव में बेहद असरदार आयरन युक्त गोली के सेवन करने की समझाईश दी गई। सप्ताह में दो दिन निरतंर रूप से आयरन की नीली गोली के सेवन करने के संबंध में छात्राओं को शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान आर.बी.एस.के. जिला समन्वयक नरेश राठौर एवं शिक्षकगण मौजूद रहे। डॉ. राघवेन्द्र चौधरी ने मौजूद छात्राओं को तम्बाकू युक्त नशीले पदार्थ मसलन गुटका, सिगरेट के सेवन से होने वाल दुषप्रभाव एवं कोटपा एक्ट के संबंध में जानकारियों को साझा किया गया। के.एन. कॉलेज एवं खण्ड स्तर पर संचालित शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आर.बी.एस.के. दल में शामिल आयुष चिकित्सक एवं नेत्र सहायक ने नेत्र परीक्षण एवं ब्लॅड में एच.बी स्तर की जांच कर आयरन टेबलेट के सेवन के महत्व पर चर्चा कर छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

महाविद्यालय एवं विद्यालय में पहुंचकर एनिमिया एवं नेत्र विकार के लक्षण एवं बचाव के संबंध में स्वास्थ्य चर्चा एवं एच.बी. स्तर एवं नेत्र विकार की जांच की गई के.एन. कॉलेज के जी ब्लॉक 203 नंबर कक्ष में आयोजित स्वास्थ्य शिविर दौरान आर.बी.एस.के. दल द्वारा विजन चार्ट के माध्यम से छात्राओं एवं सहायक प्राध्यापकों का नेत्र परीक्षण किया गया। दृष्टिदोष पाये गये छात्राओं को चश्मा लगाने की सलाह दी गई। नेत्र सहायक शैलेष अहिरवार एवं अनुप्रेक्षा जैन ने छात्राओं से आँखो से जुड़ी सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं व बचाव के संबंध में जानकारी साझा की। वहीं आर.बी.एस.के. ए.एम.ओ. चन्द्रप्रकाश वर्मा ने छात्राओं के खून में एच.बी. स्तर की जांच कर एनिमिया से बचाव में बेहद कारगर आयरन टेबलेट का सेवन सप्ताह में दो दिन करने की समझाईश दी गई। इसी तरह हिण्डोरिया में ए.एम.ओ. नेहा गौतम नेत्र सहायक राजकुमार जाटव बटियागढ के मगरौन शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में डॉ. सौरभ जैन एवं नेत्र सहायक आशीष अहिरवार, शासकीय मॉडल स्कूल तेन्दूखेडा में ए.एम.ओ. दीप्ति नामदेव और अंजुल नामदेव एवं नेत्र सहायक के.पी.शाक्य ने अध्ययनरत् मौजूद छात्र-छात्राओं के एच.बी. स्तर एवं दृष्टिदोष की जांच की गई।

पायस एजुकेशनल ग्रुप गागलहेडी के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करके उन्हें रोग से बचाव की जानकारी दी गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । गागलहेडी, पायस एजुकेशनल ग्रुप गागलहेडी के द्वारा निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करके उन्हें रोग से बचाव की जानकारी दी गई। अभिभावकों द्वारा इसकी सराहना की गई।

गागलहेडी स्थित पायस एजुकेशनल ग्रुप की दोनों संस्थाएं पी0जी0पायस इंटर कॉलेज एवं मोंटफोर्ट स्कूल में नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नौ सौ छात्रों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया व दवाइयां वितरित की। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉक्टर करण सिंह सैनी, प्रबंधक पंकज गर्ग, डॉ राजेश शर्मा, ओमपाल सैनी, ऋषिपाल सैनी, डॉ हिमांशु गुप्ता ने किया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टर सफ़ीना तबसुम, डॉक्टर उमंग गुप्ता ने शिविर के दौरान छात्रों को नेत्र ज्योति की कंप्यूटराइज मशीनों द्वारा चैक किया तथा छात्रों को हरी सब्जिया खाने व नेत्र मे आइ ड्रॉप डालने के लिए दी। दंत रोग विशेषज्ञ डाक्टर हिमांशु गुप्ता व डॉक्टर चारु सिंघल ने बच्चों को दांतों की साफ- सफाई पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश देते हुए बच्चों को जंग फूड खाने से मना किया। उन्होंने कहा कि आज-कल जंक फूड ज्यादा खाने से बच्चों के दांतों मे कैविटी का खतरा बनता है। फिजिशियन मनीष गुप्ता व सुबोध राठी ने कहा की बच्चों के समग्र विकास में शरीरिक विकास बहुत जरूरी होता है सभी डॉक्टरों ने बच्चों के स्वास्थ्य का गहन परीक्षण शुरू किया। डॉक्टरों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण मौसमी बीमारियां और इन्फेक्शन उन्हें आसानी से अपना शिकार बना लेती है। उन्हें पौष्टिक आहार ग्रहण करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रबंधक पंकज गर्ग, प्रधानाचार्य मनोज यादव व कोऑर्डिनेटर पारुल सचदेवा ने आए हुए सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह देखा सम्मानित किया।

चिकित्सा शिविर में आईक्यू हॉस्पिटल सहारनपुर व करण सिंह चैरिटेबल हॉस्पिटल चमारी खेड़ा का विशेष योगदान रहा

इस अवसर पर अभिषेक राय, कुलदीप कुमार, रोहन यादव, उदित धीमान, मुकुल धीमान, छवि, सारिका शर्मा, विभा शर्मा, आकांक्षा शर्मा, डोली यादव, नेहा वर्मा, रुचि कौशिक, सुनीता चौहान, फरीन आदि उपस्थित रहे।

बलात्कार प्रकरण मे नाम बदलकर भुज (गुजरात) मे रह रहे विगत 8 माह से फरार आरोपी

खरगोन

चौकी खलटाका, थाना बलकवाडा पुलिस ने हिरासत मे लिया।

बलकवाडा से एक नाबालिक बच्ची का अपहरण की सुचना पर थाना बलकवाडा पर अपराध क्रमांक 194/24 धारा 363 भादवि का पंजीबद्ध किया गया था । प्रकरण मे लगातार अनुसंधान के दौरान पुर्व मे नाबालिक बच्ची को उज्जैन से जहां आरोपी रह रहा था वहां पर पुलिस पहुचने पर आरोपी के भाग जाने पर दस्तयाब किया गया था सदर प्रकरण का आरोपी रिबु उर्फ रिपिन पिता अशोक निवासी मालनमाता 300 क्वार्टर उज्जैन हाल मुकाम ग्राम चिचली की तलाश के दौरान उज्जैन तथा राजस्थान मे पुलिस टीम द्वारा दबिश दी गई थी जो बार ङ्क बार कई सीमे तथा मोबाईल फोन बदलता रहा, पुराने मोबाईल नम्बरो पर पुलिस टीम द्वारा दबिश दी गई थी जहां पर भी उक्त आरोपी नाम रिपिन से बदलकर दीपक बनकर रह रहा था । पुलिस टीम द्वारा लगातार उज्जैन, राजस्थान की आरोपी द्वारा फरारी काटने की लोकेशन का डाटाबैस तैयार किया बाद मे उक्त डाटाबैस के आधार पर ही टीम द्वारा भुज (गुजरात) मे पहुचकर उक्त आरोपी की तलाश की गई इस दौरान आरोपी काफी शातीर होकर वह जहां रह रहा था वहां पर भी गलत नाम पता बताया था । पुलिस टीम द्वारा लगातार चार दिनो तक भुज (गुजरात) मे रहकर तलाश करते भुज (गुजरात) के मिर्जापुर ईलाके से उक्त आरोपी रिबु उर्फ रिपिन को पकडने मे सफलता हासिल की, पकडा जाने पर उक्त आरोपी द्वारा उसका नाम दीपक बताया तथा अपने आप को गुजरात का ही रहने वाला बताया जिसपर पुलिस द्वारा उक्त आरोपी के पुराने रिकार्ड के फोटो मिलान करने पर एंव पुरानी गिरफ्तारी मे चोटो का विवरण देखकर उसके पैर मे जले का निशान पाये जाने पर उक्त आरोपी की पहचान की गई जो बहुत समय तक गुजरात पुलिस सहित मध्य प्रदेश पुलिस टीम को गुमराह करता रहा, बाद मे स्वीकार किया कि मै रिपिन उर्फ रिबु पिता अशोक जाति मानकर निवासी मालनमाता 300 क्वार्टर उज्जैन हाल मुकाम ग्राम चिचली का होना बताया जाने पर आरोपी को हिरासत मे लिया गया ।

शिवपुरी मोदी जी ने 15 जनवरी 2024के कार्यक्रम में बूरदा पंचायत पोहरी ब्लॉक की ललिता आदिवासी से कॉलोनी बनाकर देने का वादा किया पूरा पोहरी ब्लॉक की प्रथम पीएम जनमन आवासीय कॉलोनी हुई बनकर तैयार सीईओ जनपद गिर्राज शर्मा देश के अकेले जनपद सीईओ जिन्होंने 3 हजार से ज्यादा पीएम जनमन आवास एवं 4 कॉलोनी बनाकर दी है !

चबूरे के चद्दर जर्जर ....गिरने से एक व्यक्ति घायल सिर में 15 टांके

उज्जैन

चापानेर में हाट बाजार में बनें शेड जोकि जर्जर हो है ओर इनके ऊपर लगे हुए सीमेंट के चद्दर भी काफी पुराने होनेंके कारण अपने आप टूटने लगे है बीते दिनों मोहनलाल मालवीय उक्त चबूतरे के उपर बैठे हुए थे और अचानक ऊपर से गिर गया जिससे नीचे बैठे मोहनलाल को शीर के चोट आई ! प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि कई सारे लोग इसके नीचे बैठे थे और ऊपर भी कोई जानवर नहीं था अचानक से चद्दर टूटकर मोहनलाल मालवीय के सिर पर गिरा जिससे वो गिर गए सिर के चोट आई और बेहोश हो गए ! जिन्हें नागदा निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया जहां शिव में 14 टांके आए ! ज्ञात हो कि यह चबूतरे 2001-02 उस समय के सरपंच रामलाल रारोतिया के प्रयासों से जिला पंचायत अध्यक्ष महेश पटेल और तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य के द्वारा स्वीकृत किए गए थे और चार चबूतरे का निर्माण करवाया गया था किंतु वर्तमान के यह चबूतरे जिनमें तीन की तो पेड़ी हाइट कम (नहीं के बराबर रह गई है, वही चारो ही चबूतरे के ऊपर लगे सीमेंट के चद्दर जर्जर हालत में पहुंच चुके है !

सैकड़ों लोगों का आनाजाना लगा रहता है चांपानेर हाट बाजार जहा ये चारो चबूतरे जिनके ऊपर सीमेंट के चद्दर जोकि काफी जरूर हो चुके है, ओर हाल ही में एक घटना तो हो चुकी है, ओर इन चबूतरों पर दुकानें लगती है है और प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आनाजान इनके ऊपर लगा था है शासन प्रशासन के द्वारा समय रहते इस ओर ध्यान देते हुए इन चद्दर को जल्दी से चेंज करने के साथ चबूतरों की ऊंचाई को बढ़ाया जाना चाहिए, हालांकि इसमें चद्दर को जल्दी बदलना चाहिए नहीं तो कभी भी कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है !

ठीक करवानेके पूरे प्रयास करेंगे वास्तव में यह चबूतरे बहुत पुराने है, ओर जर्जर भी हो गए है, इसको ठीक करवाने के पूरे प्रयास करेंगे !

श्रीमतीराधिका कुंवर गजेन्द्रसिंह सोलंकी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भोपाल कार्बाइड का जहरीला कचरा पीथमपुर में जलाने के विरोध मे रविवार को धरना प्रर्दशन करेगे

धार

बदनावर। कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष जीतूजी पटवारी रविवार 22 तारीख को युनियन कार्बाइड भोपाल गैस त्रासदी से जुडा जहरीला कार्बाइड का कचरा पीथमपुर में जलाया जाने विरोध में महाराणा प्रताप बस स्टेंड पीथमपुर में धरना पर्दशन करेंगे। कांग्रेस कमेटी धार जिलाध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार ने बताया कि युनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर क्षेत्र में जलाया जाने के विरोध में प्रदेश अध्यक्ष जीतूजी पटवारी महाराणा प्रताप बस स्टेड पर रविवार 22 तारीख को धरना प्रर्दशन करेंगे। युनियन कार्बाइड के कचरे जलाने के प्रयोग मात्र से क्षेत्र में तालाब का पानी प्रदूषित हो गया था। साथ ही खेत में खडी फसल भी खराब हो गई थी। सरकार द्वारा भोपाल युनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर लाकर जलाने की योजना है। भोपाल गैस त्रासदी से जुडा जहरीला कार्बाइड का कचरा पीथमपुर में जलाया जाने पर रहवासियों के स्वास्थ्य पर बुरा असर होगा। वही 8-10 गांव के किसानों के खेत में खडी फसलों को भी भारी नुकसान होगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार ने जिले में कांग्रेस के विधायक, पूर्व विधायक, सभी ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, नपं अध्यक्ष, पार्षद, जिला पंचायत व जनपद सदस्य, सरपंच, सेवादल कार्यकर्ता, एनएसयुआई, युकां, महिला कांग्रेस, पिछडा प्रकोश्ठ, महिला प्रकोश्ठ, संगठन प्रदेष पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी सहीत सभी प्रकोश्ठ के सदस्यों से अपील की है कि अधिकाधिक संख्या में पीथमपुर पहुँच कर प्रदेश अध्यक्ष द्वारा किए जा रहे आंदोलन में सहयोगी बनने की अपील की हे।

केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से लाभांवित ग्रामो में प्रचार प्रसार जारी

विदिशा

केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के संभावित लाभांवित ग्रामो में व्यापक प्रचार-प्रसार संबंधी कार्य के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुपालन तहत गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से लाभांवित होने वाले सभी 83 गांव में परियोजना के फायदो से जन-जन को अवगत कराने के लिए हरेक गांव में निर्धारित मापदण्डो के अनुसार स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराने के प्रबंध क्रियान्वित किए जा रहे है। गौरतलब हो कि केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के अंतर्गत विदिशा जिले की कुरवाई विधानसभा के 83 गांव सम्मिलित है इन गांवो में हर रोज प्रचार प्रसार के कार्यो को संपादित किया जा रहा है।

कोठा बैराज परियोजना प्रबंधन इकाई के कार्यपालन यंत्री श्री आलोक खरे ने बताया कि शुक्रवार को जिन ग्रामो में जनजागरूकता के संदेशो का सम्प्रेषण किया गया है उनमें ग्राम घुरावली, गल्फराखेडी, मसूदपुर, पिपरियाजाजौन, चितपुरा, पीकलोन में कलश यात्रा, नुक्कड नाटक, भजन मण्डली एवं विद्यालयो में जल पर केन्द्रित चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा स्थानीय ग्रामीणजनों से सम्पर्क कर परियोजना के हितलाभो से अवगत कराया गया।

प्रशासन गाँव की ओर मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर में 19 दिसम्बर को 888 आवेदन स्वीकृत

जिले की नगरीय निकायों में लगाये गये 42 शिविर

नरसिंहपुर

प्रशासन गाँव की ओर के अन्तर्गत जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और राज्य व केन्द्र शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए जिले की नगरीय निकायों में शिविर लगाये जा रहे हैं। नगरीय निकायों में 19 दिसम्बर को कुल 42 शिविर लगाये गये। इन शिविरों के माध्यम से एक हजार 80 आवेदन आये, जिसमें 888 आवेदन स्वीकृत, 7 आवेदन अस्वीकृत और 185 आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। यह अभियान जिले में 26 जनवरी 2025 तक चलाया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 दिसम्बर को गाडरवारा के शहरी क्षेत्र में कुल 9 शिविर लगाये गये। इन शिविरों के माध्यम से कुल 340 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 307 आवेदन मौके पर ही स्वीकृत एवं 2 आवेदन अस्वीकृत किये गये और 31 आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। गोटेगांव के शहरी क्षेत्र में कुल 7 शिविरों के माध्यम से कुल 29 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 25 आवेदन मौके पर ही स्वीकृत और 4 आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। इसी तरह करेली के शहरी क्षेत्र में कुल 7 शिविर लगाये गये। इन शिविरों के माध्यम से कुल 349 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 340 आवेदन मौके पर ही स्वीकृत एवं एक आवेदन अस्वीकृत व 8 आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। नरसिंहपुर के शहरी क्षेत्र में कुल 7 शिविरों में कुल 126 आवेदन प्राप्त, 81 स्वीकृत, 2 अस्वीकृत व 43 आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। सालीचौका- बाबईकला के शहरी क्षेत्र में कुल 7 शिविरों में कुल 171 आवेदन प्राप्त, 80 स्वीकृत और 91 आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। तेंदूखेड़ा के शहरी क्षेत्र में कुल 5 शिविरों में कुल 65 आवेदन प्राप्त, 55 स्वीकृत, 7 अस्वीकृत व 185 आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के हितग्राहियों का किया हितलाभ का वितरण

खरगोन

भीलगांव, दोगांवा, रेगंवा, भेसावद, बिथेर व बिलखेड़ में शिविर का हुआ आयोजन

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत 20 दिसंबर को जनदप पंचायत कसरावद के ग्राम भीलगाँव, दोगावा, रेगवा, भेसावद, बिथेर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हितग्राही मूलक योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया गया। शिविर में मध्यप्रदेश शासन की 63 हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी गई एवं आवेदन प्राप्त किए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई भारत सिंह तंवर ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत ग्राम पंचायत भीलगांव में आयोजित शिविर में हितग्राहियों का हितलाभ का वितरण कर उनकी समस्याएं सुनी। इस अवसर पर कसरावद एसडीएम श्री सत्येन्द्र बैरवा, श्री दीपक पटेल, श्री पवन राठौर, पूर्व मंडी अध्यक्ष श्री मांगीलाल गाडगे, जनपद सदस्य श्री शक्ति सिंह, मोतीराम वर्मा, सरपंच श्रीमती लताबाई, प्रतिनिधि जयसिंह मंडलोई, नितिन ठाकुर, पीसीओ श्री भारत सिंह दसोंधी सहित अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति रहे। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बिलखेड़ में आयोजित शिविर में महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती अवास्या ने हितग्राहियों का हितलाभ वितरण कर उनकी समस्याएं सुनी। यह अभियान 26 जनवरी 2025 तक चलाया जायेगा। इस अभियान के दौरान जिले की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के वार्डों में शिविर लगाये जायेंगे तथा केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ पाने से शेष रह गये पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें हितलाभों का वितरण किया जाएगा।

वैश्य महासम्मेलन के कैलेंडर का भाबरा तहसील द्वारा विमोचन

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार जिला अलीराजपुर के चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) में जिला व तहसील पदाधिकारीयो की उपस्थिति व प्रदेश पदाधिकारी के विशेष आतिथ्य में कैलेंडर2025 का विमोचन किया गया. स्थानीय गणेश मंदिर प्रांगण में वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश कार्य समिति सदस्य नारायण अरोड़ा, वैश्य सदस्य औरभाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य किशोर शाह, पूर्व विधायक माधौसिंह डावर, जिला महामंत्री रामेश्वर गुप्ता, तहसील अध्यक्ष सुरेश माहेश्वरी व तहसील प्रभारी शैलेंद्र जैन सहित अन्य सदस्यों में उमेश माहेश्वरी, औछबलाल अरोड़ा, विजय जैन, दीपेश मोड़ीया, देवेंद्र वाणी, राजेश गुप्ता, राजेंद्र वाणी, अमित सोनी सहित अन्य सदस्य भी

गरिमामय कार्यक्रम में सम्मिलित हुए. विमोचन के पश्चात नगर में सभी वैश्यजनों के घर पहुंच कर वितरण किया गया.

संविधान निर्माता अम्बेडकर के अपमान को लेकर पन्ना में कांग्रेसियों ने किया धरना प्रदर्शन

पन्ना

संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के अपमान को लेकर पन्ना जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अंबेडकर चौक पर धरना प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की गई तथा देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर माफी मांगने की मांग की गई है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवजीत सिंह ने कहा कि बाबा साहब हमारे संविधान के निर्माता हैं उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा हमेशा महापुरुषों के खिलाफ टिप्पणी करना उनकी आदत में शुमार है। लेकिन अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरे देश में गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आक्रोश का माहौल कायम है। इस दौरान अनेक लोग उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे,कार्यकारी अध्यक्ष अनीश खान, मनीष मिश्रा, युवक कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र अवस्थी, जीवन लाल सिद्धार्थ, पुरुषोत्तम जड़िया, वैभव थापक, डॉक्टर कादिर खान, अक्षय तिवारी, राज बहादुर पटेल,आस्था तिवारी, दीपक तिवारी, भूपेंद्र सिंह परमार, अभिषेक चौरसिया, मुन्नीलाल वाल्मीकि, रेहान मोहम्मद, सरदार यादव सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केन बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड के लिए वरदान है- बी.डी शर्मा

25 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता खजुराहो पहुंचे-महेंद्र सिंह

पन्ना भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने पन्ना में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री खजुराहो आ रहे हैं मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मेरी लोकसभा क्षेत्र के अंदर उनका आगमन हो रहा है।हम सब कार्यकर्ताओं को मिलकर केन बेतवा लिंक परियोजना के शुभारंभ का साक्षी बनना है।हम सबको बूथ तक लोगों से संपर्क कर उन्हें आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करने का काम करना है। साथ ही कहा कि पन्ना जिले की तीनों विधानसभाओं के अधिक से अधिक लोग इस कार्यक्रम में पहुंचे इसके लिए हमें अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रचार रथ केन बेतवा लिंक परियोजना के बैनर पोस्टर एवं इस योजना से जो लाभान्वित होने वाले गांव हैं वहां पर कलश यात्राएं निकाली जा रही हैं उन यात्राओं में भी हमें सम्मिलित होना है। पन्ना जिले से सर्वाधिक संख्या कि मैं अपेक्षा करता हूं। उन्होंने कहा कि बूथ के चुनाव अभी संपन्न हुए हैं। मंडल अध्यक्षों के चुनाव भी संपन्न हो गए हैं।मैं सभी मंडल अध्यक्षों को बूथ अध्यक्षों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं कि वह अपना पार्टी में काम अच्छे तरीके से करें और वह राजनीतिक जीवन में उच्च पदों तक पहुंचे।साथ ही साथ उन्होंने कहा कि संगठन बड़ा होता है जब कार्यकर्ता संगठन के लिए काम करता है तो वह सीखना है और उसके पश्चात उसका जो निर्माण होता है उससे समाज का लाभ होता है।समाज के लिए जीने वाला भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता है। अटल जी ने नदियों को जोड़ने का जो सपना देखा था उसे पूरा करने का काम आज देश के प्रधानमंत्री कर रहे हैं अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष है इस कार्यक्रम में पहुंचकर हमें अटल जी को श्रद्धांजलि भी अर्पित करनी है उनके बताएं मार्ग पर हमें चलना है देश के लिए यदि किसी सरकार ने कुछ नया किया है तो अटल जी की सरकार थी उनके विचार को आगे बढ़ते हुए आज मोदी काम कर रहे हैं। प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा कि यह वह योजना बुंदेलखंड के सुखा को खत्म करके हरा-भरा बुंदेलखंड करने वाली है बुंदेलखंड में पानी का अभाव था उसकी पूर्ति होगी पलायन पूर्णता रुक जाएगा लोगों को रोजगार के भी नए अवसर मिलेंगे साथ ही कृषि का रखवा सिंचित होगा। जीवन दाहिनी नदियों के कारण किसानों को समृद्धि मिलेगी एवं इस क्षेत्र में पर्यटन के साथ-साथ कृषि के क्षेत्र में भी लोग उन्नति करेंगे यह हमारे लिए सौभाग्य का विषय है कि मैं इस अवसर पर मध्यप्रदेश में रहूंगा जब यह समझौता हो रहा था उस समय में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री था मैं भी इस महत्वपूर्ण अवसर का साक्षी बनूंगा। मैं प्रदेश प्रभारी इस नाते आप सभी से आग्रह करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में लोग पहुंचे हम सब भी पहुंचे ताकि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन भी हमें मिलेगा और इस महत्वपूर्ण योजना के प्रारंभ होने के समय हम साक्षी के रूप में उपस्थित रहेंगे।यह योजना हमारे आने वाली पीढियां के लिए भी वरदान साबित होगी। आयोजित कार्यक्रम बैठक में प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह,प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा,विधायक बृजेंद्र सिंह,विधायक राजेश वर्मा, विधायक प्रहलाद लोधी,प्रदेश कार्य समिति सदस्य सदानंद गौतम ,बबलू पाठक, पूर्व जिला अध्यक्ष जयप्रकाश चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे सिंह, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आशीष तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी दुर्गेश शिवहरे उपस्थित रहे।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा कांटाफोड़ में बच्चों को प्रमाण पत्र बांटे गए

कांटाफोड़ - नगर के आई पी एस प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के बैनर तले 9 दिसंबर को एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया था जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने बाल श्रमिक एवं मोबाइल से बच्चों को होने वाले नुकसान के बारे में एक नाटक के माध्यम से समझाया गया था, जिसे नागरिकों ने एवं आसपास के क्षेत्रवासियों ने बहुत ही सराहा गया था, बच्चों ने बहुत कम समय की प्रैक्टिस में बहुत अच्छा कार्य किया, बच्चों द्वारा किए गए इस शानदार नुक्कड़ नाटक के सफल आयोजन पर भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा, आईपीएस प्ले स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को तथा बच्चों को संगठन की तरफ से प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई एवं संगठन द्वारा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई, इस दौरान प्रदेश मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश टाँडी, देवास महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती निशा भट्ट, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता यादव, जिला उपाध्यक्ष डॉ सुनील जलाँद्रे, सदस्य रिंकू शर्मा, स्कूल के प्राचार्य युवराज पटेल, रंजना पुरोहित, वर्षा घावरी, टीना शर्मा, ज्योति पटेल, कृतिका राजपूत, पूजा मीणा ,निखत शाह, कीर्ति सोनी, रोशनी मीणा ,नौरीन खान, अंकिता मिश्रा, रुपाली सोनी सहित स्कूल के अनेक बच्चे उपस्थित रहे

भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा कपास की खरीदी को लेकर किसानों ने जताई नाराजगी...लगाए भेदभाव करने के आरोप

खेतिया कृषि उपज मंडी समिति खेतिया में भारतीय कपास निगम की खरीद प्रारंभ है।कपास की खरीदी को लेकर किसानों का आरोप है कि सीसीआई उनका माल खरीदने में भेदभाव कर रही है और क्वालिटी हल्की बताकर उनका माल रिजेक्ट कर दिया जा रहा है। किसानों का कहना है कि वे दूर दूर से अपनी कपास लेकर आते हैं, लेकिन सीसीआई उनका माल खरीदने में आनाकानी करती है।किसान के अच्छे माल को रिजेक्ट कर पैसे ले कर खराब माल भी खरीद रहे,,किसान जाए तो कहा?? किसानों ने यह भी

आरोप लगाया है कि सीसीआई के नए नियमों के तहत किसान का हाजिर होना या किसान के संबंधित परिवार से कोई आदमी का हाजिर होना अनिवार्य है, जो कि किसानों के लिए परेशानी का सबब बन गया है।नियमो के चलते एक महिला किसान150 किलोमीटरसे अधिक दूर अमलनेर

के पास से अपनी कपास विक्रय है लेकर आई थी, लेकिन सीसीआई ने उसका माल रिजेक्ट कर दिया। महिला किसान ने कहा कि वह अपने परिवार के साथ खड़ी होकर अपनी कपास बेचने की कोशिश कर रही थी, लेकिन सीसीआई ने उसकी बात नहीं सुनी। यह मामला खेतिया कृषि उपज मंडी में सामने आया है, जो कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित मप्र के खेतिया की मंडी में दोनों राज्य के किसान कपास विक्रय करने आते है,,उच्च दाम सदैव किसानों को मिलता रहा वही कपास निगम की खरीदी के चलते किसानों को अधिक उम्मीद भी रहती किन्तु सी सी आय के नियमो व मापदंडों के चलते बहुत ही कम किसान अपनी उपज विक्रय कर पा रहे। कपास निगम के अधिकारी रवि का कहना है कि हमारे द्वारा किसानों का माल खरीदा जा रहा है,हम कपास निगम द्वारा निर्धारित मापदंडों के तहत ही कपास की खरीदी कर रहे।

स्वच्छता के सन्देश,वॉल पेंटिंग से सजा शहर...

स्वच्छता के प्रति जागरूकता का दे रहे संदेश

खेतिया नगर परिषद ने स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार अपनी रैंक सुधारने के लिए जनप्रतिनिधि से लेकर नगर पालिका अधिकारी तक विशेष प्रयास कर रहे है , इसके पहले भी खेतिया शहर को वर्ष 2023 में खुले में शौच मुक्त शहर (ह्वष्ठस्न++) का का प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में खेतिया को नंबर वन बनाने का प्रयास किया जा रहा है जिसको ले कर शहर की दीवारों पर स्वच्छता के संदेश ओर सुंदर सुंदर पेंटिंग बनाई जा रही है जिससे नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान के तहत अभियान निरन्तर गतिशील रहें,जागरुकता के लिए कई आयोजन किए गए,आम लोगों को स्वच्छता सर्वेक्षण से जोड़ने और उनकी भागीदारी को तय करने के लिए नगर परिषद द्वारा कई जागरुकता अभियान चलाए है।शहरी स्वच्छता अभियान के तहत एक दिवसीय सफाई कार्यक्रम में शहर के व्यवसायिक, सार्वजनिक एवं आवासीय परिसरों में स्लज संग्रहण अभियान का आयोजन किया गया।दीवारों और सार्वजनिक स्थानों पर पेंटिंग की जा रही है।स्वच्छता के सन्देश देते स्थानों पर सेल्फी पॉइंट बनाये।3 क्र गार्डन डेवलपमेंट में वेस्ट टू बेस्ट आदि।उक्त जानकारी देते मुख्य नप अधिकारी ईश्वर महाले ने बताया केंद्रीय शहरी विकास व आवास मंत्रालय ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की नई गाइडलाइन जारी की थी। इसके अनुसार खेतिया की स्वच्छता का आंकलन कर अलग अलग गतिविधियों के माध्यम से नगरवासियों को जागरूक किया जा रहा है , ओर निकाय के द्वारा स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किए गए है जो नागरिकों को जागरूक करने में सहयोग प्रदान कर रहे है। जिसमें लोगों का सहयोग भी मिल रहा है।

बदनावर के पूरे नगर में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे व बड़ी चौपाटी पर 1 करोड़ लॉगत से बनेगा प्रवेशद्वार

नगर परिषद की साधारण सभा मे विभिन्न विकास कार्यो को लेकर प्रस्ताव पास

बदनावर। नगर परिषद का साधारण सम्मेलन अध्यक्ष मीना शेखर यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, बड़ी चौपाटी पर भव्य प्रवेशद्वार बनाने समेत शहर में कराए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यो को लेकर चर्चा की गई व स्वीकृति के प्रस्ताव पास किए गए। नगर विकास कार्यों के अंतर्गत नगर के विभिन्न वार्डों में सीमेंट कांक्रीट सड़क, ड्रेनेज लाइन, सीवरेज लाइन निर्माण कार्यों की स्वीकृति को लेकर चर्चा की गई। वही वार्ड 14 बखतगढ़ रोड पर स्लाटर हाउस निर्माण, वार्ड 8 मण्डी मार्ग पर दुकान निर्माण कार्य की स्वीकृति सहित अन्य वार्डो में लगभग 250 दुकाने निर्माण के प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। कसके अलावा नगर के यातायात सुविधा व सुरक्षा हेतु कार्य योजना तैयार कराये जाने, गौशाला निर्माण, मुख्यमंत्रीजी के निर्देशानुसार वार्ड क्रमाक 7 नागेश्वर बलरामधाम पर गीता भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति दी गई। गीता भवन में एक साथ करीब 500 श्रदालु बैठकर भक्ति कर सकेंगे। **पूरा नगर होगा सीसीटीवी केमरायुक्त** पूरे नगर में सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी केमरे लगाये जाने का प्रस्ताव भी पास किया गया। कैमरे लगने से शहर में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। इसका बड़ा कंट्रोल रूम तैयार होगा। जहां से निगरानी होगी। इसके अलावा बलवंती नदी के किनारो पर पींचिग कार्य अन्य सौन्दर्याकरण निर्माण करने, आनंदेश्वर मंदिर के सामने शापींग काम्पलेक्स बनाने, श्री बैजनाथ महादेव मंदिर के जिर्णोद्धार हेतु पुरातत्व विभाग को प्रस्ताव तैयार कर भेजने, नागेश्वर मंदिर, एकवीरा मंदिर, श्रीराम मन्दिर के जिर्णोद्धार के लिए भी धर्मस्थ विभाग को प्रस्ताव तैयार कर भेजने की स्वीकृति दी गई। बैठक में बस स्टेण्ड पुलिया से मंडी बायपास मार्ग तक ब्रीज निर्माण करने, प्राचीन किले का जिर्णोद्धार एंव सौंदर्यीकरण, बडी चौपाटी पर करीब 1 करोड़ की लागत से राजस्थान के कारीगरों द्वारा भव्य स्वागतद्वार का निर्माण करवाने व उसका नामकरण श्री बैजनाथद्वार रखने व बलरामधाम पर निर्माणाधिन उद्यान का नामकरण श्री कृष्ण वाटीका करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में नगर के धार्मिक स्थलों पर को लेकर भी चर्चा की गई व पेवर्स ब्लाक लगाये जाने की स्वीकृति दी गई। इसके अलावा नामांतरण प्रकरणों के अनुमोदन के संबंध में स्वीकृति सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर सर्व सहमति से प्रस्ताव पास किए गए। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह पंवार, पार्षद भारती

राठौड़, जितेन्द्र शर्मा, अनिता संतोष चौहान, अनिता-दिपक जादव, झन्नुबाई शांतिलाल सिर्वी, भागवंताबाई राव, सुखराम देवदा, अमरीन साजिद खान, जगदीश पाटीदार, बबीता-चेतन नागल, हरिश मांगलिया, चेनाबाई भैरूलाल डामर, विधायक प्रतिनिधि हेमंत मोदी आदि उपस्थित थे।

अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों के प्रति सचेत रहें

बांग्लादेश सरकार के सलाहकार को भारत का संदेश

नेशनल डेस्क. भारत ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के एक सलाहकार द्वारा की गई उस सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर ढाका के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है, जिसमें दावा किया गया था कि भारतीय क्षेत्र के कुछ इलाकों को उनके देश (बांग्लादेश) का हिस्सा होना चाहिए। भड़काऊ टिप्पणियां करने के लिए चर्चित महफूज आलम ने चार दिन पहले फेसबुक पर एक नक्शा भी पोस्ट किया था, जिसमें पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम के कुछ क्षेत्रों को बांग्लादेश के हिस्से के रूप में दिखाया गया था। जब इस पोस्ट पर तीखी प्रतिक्रिया हुई, तो उन्होंने इसे हटा दिया था।

आलम बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में मंत्री हैं। इस पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को सभी संबंधित पक्षों को अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों के प्रति सतर्क रहने की याद दिलाई। उन्होंने कहा, ''हमने इस मुद्दे को बांग्लादेशी सरकार के समक्ष उठाया है। हमने इस मुद्दे पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। हमें पता चला है कि जिस पोस्ट का जिक्र किया जा रहा है, उसे कथित तौर पर हटा दिया गया है।

अपनी टिप्पणियों के प्रति सतर्क रहें- विदेश मंत्रालय

जायसवाल ने कहा, ''हम सभी संबंधित पक्षों को याद दिलाना चाहेंगे कि वे अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों के प्रति सतर्क रहें, जबकि भारत ने बार-बार बांग्लादेश के लोगों और अंतरिम सरकार के साथ संबंधों को बढ़ावा देने में रुचि दिखाई है, ऐसी टिप्पणियां सार्वजनिक अभिव्यक्ति में जिम्मेदारी की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। यूनुस द्वारा बांग्लादेश में संसदीय चुनाव कराने के लिए कोई विशिष्ट समयसीमा न दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''हमने बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों के प्रति अपने दृष्टिकोण को बहुत स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है। हमने कहा है कि हम एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश का समर्थन करते हैं।

जायसवाल ने कहा, ''हमने आपसी विश्वास, सम्मान और एक-दूसरे की चिंताओं और हितों के प्रति आपसी संवेदनशीलता के आधार पर बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की अपनी इच्छा दोहराई है। उन्होंने कहा, ''हमने इस बात पर भी जोर दिया है कि बांग्लादेश के लोग भारत-बांग्लादेश संबंधों में मुख्य हितधारक हैं और हमने इस बात पर भी ध्यान दिया है कि भारत का बांग्लादेश के साथ विकास सहयोग और बहुआयामी संबंध, जिसमें संपर्क, व्यापार, बिजली, ऊर्जा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र शामिल हैं, सभी बांग्लादेश के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए हैं। यूनुस ने 16 दिसंबर को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि विभिन्न सुधारों के कार्यान्वयन के आधार पर चुनाव 2025 के अंत और 2026 की शुरुआत के बीच हो सकते हैं। काहिरा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बैठक के बाद बांग्लादेश में रुके हुए दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) शिखर सम्मेलन की मेजबानी की पेशकश करने वाले यूनुस की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि भारत विभिन्न मंचों के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

हम बिम्सटेक जैसे मंचों के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''दक्षेस एक और मंच है...आप जानते हैं कि दक्षेस के अंतर्गत सहयोग आगे क्यों नहीं बढ़ रहा है। दक्षेस एक क्षेत्रीय समूह है, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।

ब्रिटिश पीएम ने भारतीय कारोबारियों से की मुलाकात, भारत को बताया अहम साझेदार

इंटरनेशनल डेस्क। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने लंदन स्थित अपने आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट में 13 भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। इस बैठक को ब्रिटिश सरकार ने द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा देने और निवेश प्रवाह को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

यह मुलाकात पिछले महीने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कीर स्टारमर के बीच हुई बैठक के बाद हुई। दोनों नेताओं ने सम्मेलन में आर्थिक विकास, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, जलवायु, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई थी।

बता दें कि नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने बताया कि भारतीय निवेशकों और प्रमुख कार्यकारी अधिकारियों ने ब्रिटिश कैबिनेट मंत्रियों से मुलाकात की और भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते के तहत रोजगार सृजन और विकास के अवसरों पर चर्चा की। इसके अलावा ब्रिटिश पीएम स्टारमर ने नए साल की शुरुआत में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत फिर से शुरू करने की पुष्टि की।

इस मौके पर स्टारमर ने कहा, भारत ब्रिटेन के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है और हम पहले से ही मजबूत संबंधों को और मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। मुझे भारत के वरिष्ठतम व्यापारिक नेताओं का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

वहीं भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक सुनील भारती मित्तल के नेतृत्व में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा समर्थित प्रतिनिधिमंडल ने ब्रिटिश मंत्री रेचेल रीव्स और डेविड लैमी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा की। मित्तल ने कहा, भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है और 2027 तक यह 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में है।

इस बैठक में भारत की प्रमुख कंपनियों जैसे कि बायोकॉन ग्रुप, ब्लू स्टार लिमिटेड, एस्सार ग्रुप, हीरो एंटरप्राइज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और टीवीएस मोटर कंपनी आदि ने हिस्सा लिया। प्रतिनिधिमंडल ने लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह के साथ अपने दौरे का समापन किया। इस बैठक के दौरान भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर आगे बढ़ने और दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया गया।

दिलीप जायसवाल ने तेजस्वी को बताया वीडियो कॉल और ट्विटर का नेता, कहा- वे सोशल मीडिया के जरिए ही....

पटना. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव पर जमकर जुबानी हमला किया। तेजस्वी यादव द्वारा बीपीएससी अभ्यर्थियों से वीडियो कॉलिंग पर बात करने के मामले में दिलीप जायसवाल ने उन्हें वीडियो कॉल और ट्विटर का नेता बताया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव केवल सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए ही काम करते हैं। जायसवाल ने तंज कसते हुए कहा कि गनीमत है कि वो अभी बिहार से वीडियो कॉल कर रहे हैं। पता नहीं कब विदेश निकल जाएं। दिलीप जायसवाल ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से कहा कि आपको न्याय बिहार सरकार ही दिलवाएगी। तेजस्वी यादव से कोई उम्मीद नहीं रखें। दिलीप जायसवाल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी बेचैन हो गए हैं। सत्ता की भूख ने उनके इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। देश-विरोधी ताकतों से हाथ मिलाने का काम करते हैं। बुजुर्ग सांसद को उन्होंने धक्का दे दिया। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

जर्मनी में क्रिसमस बाजार में लोगों की भीड़ पर चढ़ाई कार, 2 की मौत; आरोपी अरेस्ट

इंटरनेशनल डेस्क: जर्मनी के मैगडेबर्ग में शुक्रवार को क्रिसमस मार्केट में एक शख्स ने लोगों पर कार चढ़ा दी। घटना में दो लोगों मौत हो गई और लगभग 68 लोग घायल हुए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और लोगों से घटना स्थल से दूर रहने की अपील की है।

स्थानीय सार्वजनिक प्रसारक एमडीआर के अनुसार, सैक्सोनी-एनहाल्ट के प्रधानमंत्री रीनर हसेलोफ़ ने पुष्टि की कि दो पीड़ितों में एक वयस्क और एक बच्चा शामिल है। लोकप्रिय हॉलिडे मार्केट के बीचोबीच हुई इस दुखद घटना में 68 लोग घायल हो गए। इनमें से 15 गंभीर रूप से घायल हो गए, 37 अन्य मामूली रूप से घायल हो गए और 16 को मामूली चोटें आईं।

बर्लिन में 19 दिसंबर, 2016 में एक इस्लामी आतंकी हमलावर ने क्रिसमस में खरीदारी कर रहे लोगों की भीड़ पर ट्रक चढ़ा दिया था जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

टूडो की कुर्सी जाने की तारीख आ गई, 27 जनवरी को आएगा अविश्वास प्रस्ताव

इंटरनेशनल डेस्क: कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो शुक्रवार को अगले साल की शुरुआत में सत्ता खोने के कगार पर पहुंच गए क्योंकि उनके एक प्रमुख सहयोगी ने कहा कि वह अल्पसंख्यक लिबरल सरकार को गिराने और चुनाव कराने के लिए कदम उठाएंगे।

न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह जो टूडो को पद पर बनाए रखने में मदद कर रहे हैं, ने कहा कि वह 27 जनवरी को हाउस ऑफ कॉमन्स के निर्वाचित सदन के शीतकालीन अवकाश से लौटने के बाद औपचारिक अविश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे। यदि सभी विपक्षी दल इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं तो टूडो नौ साल से अधिक समय तक प्रधानमंत्री के रूप में पद से हट जाएंगे और चुनाव होंगे।

जगमीत सिंह ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लिबरल पार्टी का नेतृत्व कौन कर रहा है, इस सरकार का समय समाप्त हो गया है। हम हाउस ऑफ कॉमन्स की अगली बैठक में अविश्वास का स्पष्ट प्रस्ताव पेश करेंगे।

नहीं रहे नेपाली इन्फ्लुएंसर बिबेक पंगेनी, कैंसर की लड़ाई में हर कदम पर साथ रहीं पत्नी श्रीजना

नेशनल डेस्क. सोशल मीडिया पर वायरल होने वाला नेपाली कपल, बिबेक पंगेनी और श्रीजना सुबेदी, हाल ही में एक दुखद खबर के कारण चर्चा में है। बिबेक पंगेनी, जो जॉर्जिया यूनिवर्सिटी में भौतिकी और खगोल विज्ञान में पीएचडी कर रहे थे, का ब्रेन कैंसर से निधन हो गया।

कैंसर से लड़ाई और श्रीजना का साथ

साल 2022 में बिबेक को ब्रेन कैंसर का पता चला था, जो उस समय तीसरे स्टेज पर था। उनकी पत्नी श्रीजना ने इस कठिन समय में उनका हर कदम पर साथ दिया। इलाज के दौरान श्रीजना ने बिबेक की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिसे लोगों ने खूब सराहा। श्रीजना के समर्पण और प्यार को देखकर सभी को उम्मीद थी कि बिबेक इस लड़ाई में जीतेंगे। लेकिन तमाम कोशिशों और इलाज के बाद भी बिबेक ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रिया

फैंस ने श्रीजना की हिम्मत और उनके प्यार को सराहा। एक यूजर ने लिखा, श्रीजना ने पूरी हिम्मत और प्यार से बिबेक की देखभाल की। वह चाहती थीं कि उनका पति ठीक हो जाए, लेकिन भगवान ने उन्हें छीन लिया। दूसरे ने लिखा, आज की दुनिया में श्रीजना जैसा साथी मिलना मुश्किल है।

सोशल मीडिया का स्टार कपल

बिबेक और श्रीजना अपनी जिंदगी के छोटे-बड़े पलों को सोशल मीडिया पर साझा करते थे। उनकी वीडियोज और प्यार की कहानी लोगों को प्रेरित करती थी। लेकिन अब बिबेक के निधन के बाद यह कपल फैंस की यादों में हमेशा रहेगा।

पुतिन ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले से हिला दिए 6 देश

यूक्रेन के अमेरिकी मिसाइल इस्तेमाल से भड़का रूस !

नेशनल डेस्क. रूस और यूक्रेन के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। हमले से कई दूतावास और इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

यूक्रेन द्वारा अमेरिकी मिसाइल का इस्तेमाल करने के बाद रूस ने इस हमले को अंजाम दिया। रूस ने दावा किया कि यह हमला यूक्रेन के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया, ताकि यूक्रेन के हालिया हमलों का जवाब दिया जा सके।

रूस ने कीव पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं और यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली ने इन सभी मिसाइलों को नष्ट कर दिया। यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, 40 ड्रोन भी मार गिराए गए, जबकि 20 ड्रोन अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। हालांकि, मिसाइल और ड्रोन के मलबे से कई लोग घायल हुए। रूस ने हमले में इस्कंदर मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इस हमले से कीव में 630 आवासीय भवन, 16 चिकित्सा केंद्र और 30 स्कूल व किंडरगार्टन में हीटिंग सिस्टम ठप्प हो गए। मलबे से कई क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा, जिसमें एक कार्यालय, गैस पाइप और सड़कें शामिल हैं। 5 कारें जलकर खाक हो गईं, और एक निर्माणाधीन इमारत में आग लग गई। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस हमले में अल्बानिया, अर्जेंटीना, फिलीस्तीन, उत्तर मकेडोनिया, पुर्तगाल और मोंटेनेग्रो जैसे कई देशों के दूतावासों को नुकसान पहुंचा। दूतावासों की खिड़कियां और दरवाजे टूट गए। पुर्तगाल ने रूस के चार्जड *affaires* को विरोध दर्ज कराने के लिए बुलाया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह यूक्रेन के रोस्तोव क्षेत्र में किए गए मिसाइल हमले का जवाब था। रूस ने कहा कि यह हमला पश्चिमी समर्थकों द्वारा यूक्रेन को दी जा रही मदद का भी प्रतिकार है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की औअंतरराष्ट्रीय समुदाय को धन्यवाद दिया, जिन्होंने यूक्रेन को अधिक वायु रक्षा प्रणालियां देने का भरोसा दिलाया। इस बीच, रूस ने खेरसोन शहर पर भी भारी गोलाबारी की, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569